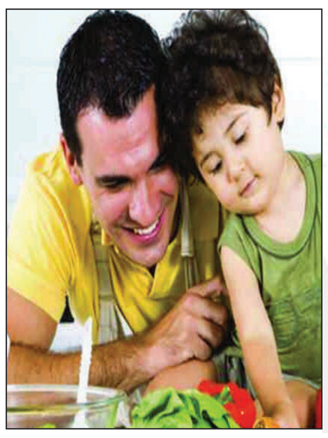

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

बच्चों को सिखाए हेल्दी फुड हैबिट पेज: 7

रणवीर के वजह से मैं इडस्ट्री मे हु पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 16 | शुक्रवार 17 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

केरल में नतीजों से पहले ही कांग्रेस के यूडीएफ गठबंधन में सीएम पद को लेकर खींचतान शुरु

तिरुवंतनमपुरम, (एजेंसी)। केरल विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले ही कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के भीतर मुख्यमंत्री पद को लेकर खींचतान तेज हुई है। 140 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान 9 अप्रैल को हो चुका है और 4 मई को परिणाम आने हैं, लेकिन उससे पहले ही संभावित जीत को लेकर पार्टी के भीतर सीएम चेहरे पर बहस खुलकर सामने आ गई है। जो चर्चा पहले केवल अंदरूनी स्तर पर जारी थी, वहां अब सार्वजनिक मंचों और सोशल मीडिया तक पहुंच चुकी है। विभिन्न नेताओं के समर्थन में ऑनलाइन अभियान चलाए जा रहे हैं और टीवी चैनलों पर इस मुद्दे को प्रमुखता से दिखाया जा रहा है। पार्टी कार्यकर्ता भी खुलकर अपने-अपने पसंदीदा नेताओं का समर्थन कर रहे हैं, जिससे गुटबाजी और अधिक स्पष्ट हो गई है। इस बहस में मुख्य रूप से वीडी सतीशन, केसी वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला जैसे वरिष्ठ नेताओं के नाम सुर्खियों में हैं। वेणुगोपाल के समर्थक उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत पकड़ और राहुल गांधी के करीबी सहयोगी के रूप में दिखा रहे हैं। उनका दावा है कि वे सभी गुटों को साथ लेकर चलने की क्षमता रखते हैं। वहीं, सतीशन को युवा और आक्रामक नेतृत्व के रूप में देखा जा रहा है। उनके समर्थकों का कहना है कि उन्होंने विपक्षी गठबंधन को वाम सरकार के खिलाफ मजबूत बनाया है। दूसरी ओर, चेन्निथला के समर्थक उनके लंबे राजनीतिक अनुभव और वरिष्ठता को उनकी सबसे बड़ी ताकत मानते हैं और उन्हें स्वाभाविक मुख्यमंत्री उम्मीदवार बताते हैं। हालांकि, इस तरह की सार्वजनिक खींचतान ने पार्टी नेतृत्व की चिंता बढ़ा दी है। चुनाव के दौरान कांग्रेस ने किसी मुख्यमंत्री चेहरे की घोषणा नहीं की थी और यह फैसला चुनाव बाद हाईकमान पर छोड़ दिया गया था। लेकिन मतदान समाप्त होते ही विभिन्न गुटों के बीच प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, दिल्ली स्थित पार्टी नेतृत्व इस स्थिति से असंतुष्ट है और उसने साफ किया है कि मुख्यमंत्री पद पर अंतिम निर्णय तय प्रक्रिया के तहत ही लिया जाएगा। हाईकमान का मानना है कि इस तरह की सार्वजनिक बयानबाजी और सोशल मीडिया अभियान से पार्टी की एकता पर नकारात्मक असर पड़ सकता है और मतदाताओं के बीच गलत संदेश जा सकता है।

इस बीच वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन ने विवाद पर नाराजगी जताकर कहा है कि इस समय ऐसी बहस उचित नहीं है। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष सनी जोसेफ ने स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री चयन की एक निर्धारित प्रक्रिया है, जो समय आने पर लागू होगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर चल रही कई गतिविधियां फर्जी खातों के जरिए संचालित हो सकती हैं। केरल में कांग्रेस के समर्थन वाले गठबंधन में सीएम को लेकर चर्चा उस कहावत को चरितार्थ करती हैं कि गांव बसा नहीं.........और लूटरे पहले आ गए।

राष्ट्रपति मुर्मू 27 अप्रैल को आएंगी हिमाचल : शिमला, अटल टनल और पालमपुर का दौरा तय

शिमला (एजेंसी)। देश की पहली नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 27 अप्रैल से छह दिन के दौरे पर हिमाचल प्रदेश पहुंच रही हैं। राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, वे शिमला, अटल टनल और पालमपुर यूनिवर्सिटी जाएंगी। राष्ट्रपति 27 अप्रैल को दिल्ली से चंडीगढ़ और वहां से सीधे शिमला के कल्याणी हेलिपेड पर उतरेंगी। वह दोपहर करीब 12-15 बजे शिमला पहुंचेंगी और राष्ट्रपति निवास रिट्रीट (छराबड़ा) में ठहरेंगी। 28 की सुबह वे राष्ट्रपति निवास में आयोजित उद्घाटन समारोह में शामिल होंगी। 29 अप्रैल को राष्ट्रपति शिमला से अटल टनल रोहतांग जाएंगी, जहां वे सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगी। इसके बाद शाम को वे वापस छराबड़ा स्थित रिट्रीट लौटेंगी। इसके बाद 30 को राष्ट्रपति पालमपुर स्थित कृषि विश्वविद्यालय के 17वें दीक्षांत समारोह में भाग लेकर शाम को शिमला वापस लौटेंगी। 1 मई को शिमला में 'एट होम' कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें मुख्यमंत्री सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहने वाले है। 2 मई को राष्ट्रपति मुर्मू दिल्ली लौट जाएंगी। बता दें कि शिमला से लगभग 13 किलोमीटर दूर स्थित छराबड़ा में राष्ट्रपति निवास रिट्रीट है। परंपरागत रूप से राष्ट्रपति यहां ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान ठहरते हैं। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी दो बार शिमला का दौरा कर चुकी हैं। राष्ट्रपति के दौरे की पुष्टि होते ही प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

अगले दो दिन में देश में तेज गर्मी और लू की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मध्य और दक्षिणी हिस्से में तेज गर्मी पड़ रही है। बीते 2 दिन से राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और महाराष्ट्र में पारा 40 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच चल रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक अचानक गर्मी बढ़ने का सबसे बड़ा कारण पश्चिमी विक्षोभ का कमजोर पड़ना है। ऐसा मौसम 20 अप्रैल तक रहेगा, जिसके कारण पश्चिमी, मध्य और दक्षिण भारत में भीषण गर्मी पड़ेगी। गर्मी के असर से बच्चों को बचाने के लिए महाराष्ट्र के वर्धा में सभी स्कूलों को बंद रखने का निर्देश दिया है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, गंगा से सटे बंगाल और नगालैंड में आज बिजली गिरने के साथ आंधी-बारिश होने का अनुमान है। जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी, पंजाब और हरियाणा में बारिश हो सकती है। जम्मू और कश्मीर के कुछ हिस्सों में ओले भी गिर सकते हैं। 17 अप्रैल को पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में हल्की से बारिश के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। हिमाचल प्रदेश में हल्की बारिश और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख में बर्फबारी के साथ ओले गिरने की संभावना है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में भी गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में लू चलेगी, जबकि पश्चिमी राजस्थान और झारखंड में भी हीटवेव की शुरुआत हो सकती है। वहीं 18 अप्रैल को छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना और कर्नाटक में हीटवेव की चेतावनी है। वहीं गुजरात, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में गर्म और उमस भरा मौसम बना रहेगा। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश की संभावना है।

ममता का चुनाव आयोग को खत.... उनके नेताओं की गाड़ियों की जांच हो रही

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव के बीच टीएमसी ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर कहा है कि उसके नेताओं को निशाना बनाकर उनकी गाड़ियों की जांच हो रही है। सीएम ममता बनर्जी ने दावा किया कि कोलकाता एयरपोर्ट जाते समय केंद्रीय बलों ने उनकी गाड़ी की जांच करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि अगर हिम्मत है, तब रोज मेरी गाड़ी चेक करें। एक चुनावी रैली को संबोधित कर ममता ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री-गृहमंत्री की कार की जांच क्यों नहीं होती? उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री पैसा लेकर आते हैं। भाजपा ने पश्चिम बंगाल में मातृशक्ति भरोसा कार्ड लांच किया। बंगाल में सरकार बनने पर राज्य की महिलाओं को हर माह 3,000 देने का वादा किया गया है। कार्यक्रम में सुवेंदु अधिकारी और स्मृति ईरानी मौजूद रहीं। बंगाल में दो फेज में वोटिंग होगी। पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को होगा।

कांग्रेस नेता थरुर ने मोदी सरकार की रणनीति को 'राजनीतिक नोटबंदी' करार दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरुर ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला कर आरोप लगाया कि वह प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया का उपयोग राजनीतिक लाभ के लिए करना चाहती है। उन्होंने कहा कि सरकार महिला आरक्षण विधेयक की आड़ में निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण कर रही है, ताकि उन क्षेत्रों में सीटों की संख्या बढ़ाई जा सके जहां बीजेपी पहले से मजबूत स्थिति में है। कांग्रेस नेता थरूर ने इस रणनीति को 'राजनीतिक नोटबंदी' करार दिया, यह संकेत देकर कि इससे राजनीतिक संतुलन प्रभावित होगा। थरूर के अनुसार, प्रक्रिया का परिणाम यह होगा कि उन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा जहां सत्तारूढ़ दल अपेक्षाकृत कमजोर स्थिति में है। उन्होंने कहा कि यह एक सुनियोजित प्रयास है, जिसके तहत कमजोर क्षेत्रों की राजनीतिक शक्ति घटाने और मजबूत क्षेत्रों को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा। उनका मानना है कि यदि मोदी सरकार का वास्तविक उद्देश्य महिला सशक्तिकरण होता, तब वह बिना किसी देरी के महिला आरक्षण को लागू कर सकती थी। उन्होंने सुझाव दिया कि महिला आरक्षण को आगामी चुनाव से ही लागू किया जा सकता है, बशर्ते राजनीतिक इच्छाशक्ति हो। थरूर ने कहा कि विपक्ष विधेयक का समर्थन करने के लिए तैयार है, लेकिन इस बिल को परिसीमन से जोड़ना उचित नहीं है कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने भी परिसीमन को महिला आरक्षण से जोड़ने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि सभी विपक्षी दल महिला आरक्षण के पक्ष में हैं और 2023 में पारित प्रस्ताव का समर्थन करते हैं, लेकिन परिसीमन के जरिए संवैधानिक ढांचे को कमजोर करने के प्रयास का विरोध किया जाएगा।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम कानून पर औवेसी... ये देश के संघीय ढांचे को नष्ट करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएमआईएम पार्टी के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के कार्यान्वयन से जुड़े प्रस्तावित संवैधानिक संशोधनों को लेकर केंद्र की आलोचना कर कहा कि इससे भारत की संघीय संरचना कमजोर होगी। लोकसभा के विशेष सत्र में बिल पर चर्चा के दौरान एआईएमआईएम प्रमुख औवेसी ने कहा कि ये

विधेयक देश के संघीय ढांचे को नष्ट करेगा। मैं इन विधेयकों के प्रस्तुत किए जाने का कड़ा विरोध करता हूं। उन्होंने साहिर लुधियानवी का एक शेर पढ़ा, जिसमें उन्होंने कहा, एक शहंशाह ने बनवा कर हसीन ताजमहल, हम गरीबों की मोहब्बत का उड़ाया है मजाक। संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र नारी शक्ति वंदन अधिनियम कानून को लागू करने के उद्देश्य से 3 संशोधन विधेयकों पर चर्चा के साथ शुरू हुआ, जो लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करता है। सप्ताह के आरंभ में, केंद्र ने संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 का मसौदा प्रसारित किया, जिसमें महिला आरक्षण ढांचे में बदलाव प्रस्तावित हैं। इस विधेयक के तहत लोकसभा की संख्या बढ़ाकर 850 करने का प्रावधान है, जिसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि भी शामिल होगा। इस प्रस्ताव के तहत, राज्यों के निर्वाचन क्षेत्रों से अधिकतम 815 सदस्य सीधे निर्वाचित होने हैं, जबकि केंद्र शासित प्रदेशों से अधिकतम 35 सदस्य ही संसद द्वारा निर्धारित तरीके से चुने जाएंगे। मोदी सरकार ने लोकसभा में विपक्ष के विरोध के बीच महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन और परिसीमन से संबंधित तीन विधेयकों को पेश किया। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026' और 'परिसीमन विधेयक, 2026' पेश किए, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने' संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' पेश किया।

फीते का रंग तिरंगे की तरह देख उमर अब्दुल्ला ने काटने से किया इनकार

–तिरंगा के प्रति सम्मान देख बीजेपी व लोग कर रहे सीएम उमर की तारीफ

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर मे सीएम उमर अब्दुल्ला का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के प्रति दिखाया गया सम्मान पूरे देश को एक सकारात्मक और प्रेरणादायक संदेश दे रहा है। श्रीनगर में घटी घटना ने यह साफ कर दिया है कि तिरंगा के प्रति सम्मान किसी भी राजनीतिक मतभेद से ऊपर होता है और यही भावना देश की एकता को मजबूत करती है।

बता दें बुधवार को जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला श्रीनगर के कश्मीर हाट में हस्तशिल्प विभाग के एक कार्यक्रम का उद्घाटन करने पहुंचे थे। यह कार्यक्रम अपने कारीगरों को जानो नाम से आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य स्थानीय कारीगरों और उनकी कला को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में जब उद्घाटन के लिए उनके सामने फीता लाया गया, तो उन्होंने देखा कि उस फीते के रंग तिरंगे जैसे थे। यह देखते ही उन्होंने तुरंत उसे काटने से इनकार कर दिया और कहा कि इसे नहीं काटा जा सकता। सीएमए ने अपने डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी की ओर देखते हुए भी यही बात दोहराई, जिस पर सुरिंदर चौधरी ने भी सहमति जताई। इसके बाद दोनों नेताओं ने फीते को काटने की बजाय उसे सावधानीपूर्वक खोलने का सुझाव दिया। उन्होंने फीते को आयोजकों को वापस सौंपते हुए कहा कि इसे सम्मानपूर्वक रखा जाए। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सामने आने के बाद उमर अब्दुल्ला की देश भर में जमकर तारीफ हो रही है। इस घटना पर बीजेपी ने भी उमर अब्दुल्ला के इस कदम की जमकर तारीफ की। जम्मू-कश्मीर बीजेपी प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने कहा कि उद्घाटन के लिए राष्ट्रीय ध्वज जैसे रंगों वाले फीते का इस्तेमाल करना गंभीर लापरवाही और समझ की कमी को दर्शाता है। उन्होंने इस मामले की जांच की मांग करते हुए कहा कि जिन अधिकारियों ने इस प्रकार की व्यवस्था की, उनकी पहचान कर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोहराई न जाएं। उधर, सोशल मीडिया पर भी उमर अब्दुल्ला की इस संवेदनशीलता की व्यापक सराहना हो रही है। लोग इसे एक सकारात्मक बदलाव के रूप में देख रहे हैं और मान रहे हैं कि यह घटना यह दर्शाती है कि राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान सभी के लिए सर्वोपरि होना चाहिए।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं पुतिन... दिसंबर तक पीएम मोदी जा सकते हैं मास्को

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन और बदलते वैश्विक हालात के बीच भारत और रूस के संबंधों को लेकर महत्वपूर्ण कूटनीतिक गतिविधियां तेज हुई हैं। माना जा रहा है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के इस वर्ष सितंबर में भारत आ सकते है। यदि यह दौरा होता है, तब यह नौ महीनों के भीतर उनका दूसरा भारत दौरा होगा। इससे पहले वे दिसंबर 2025 में वार्षिक भारत रूस शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आए थे।

बता दें कि भारत इस वर्ष ब्रिक्स समूह की अध्यक्षता कर रहा है और इस कड़ी में सितंबर में शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भी शामिल होने की संभावना है। इसके अलावा मई में ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक भी भारत में आयोजित होगी, इसमें रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के भाग लेने की उम्मीद है। यह बैठक तब हो रही है जब पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है और भारत इस मुद्दे पर ब्रिक्स देशों के बीच एक साझा रुख बनाने की कोशिश कर रहा है।

दूसरी ओर, ऊर्जा क्षेत्र में भी हालात तेजी से बदल रहे हैं। अमेरिका ने साफ कर दिया है कि वह रूस और ईरान से तेल खरीदने के लिए दी गई छूट को आगे नहीं बढ़ाएगा। इससे भारत जैसे आयात पर निर्भर देशों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। पहले छूट के कारण भारतीय रिफाइनर सस्ते दाम पर रूसी तेल खरीद पा रहे थे, लेकिन अब आपूर्ति पर दबाव बढ़ सकता है। बताया गया है कि अस्थायी छूट के दौरान भारतीय कंपनियों ने लगभग तीन करोड़ बैरल रूसी तेल का ऑर्डर दिया था। वैसे भारत और रूस के संबंध केवल ऊर्जा या रक्षा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह एक व्यापक और बहुआयामी साझेदारी है। हाल ही में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दोनों देशों के विशेषज्ञों और कूटनीतिज्ञों ने द्विपक्षीय संबंधों के नए एजेंडा पर चर्चा की थी। इस दौरान वैश्विक आर्थिक बदलाव, पश्चिम एशिया की स्थिति और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था जैसे मुद्दे प्रमुख रहे थे। दोनों देशों ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी मित्रता समानता, आपसी विश्वास और पारस्परिक सम्मान पर आधारित है। आर्थिक सहयोग के क्षेत्र में भी दोनों देशों ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2025 में द्विपक्षीय व्यापार करीब साठ अरब डॉलर तक पहुंच गया और लक्ष्य है कि 2030 तक सौ अरब डॉलर तक बढ़ाया जाए। इसके लिए परिवहन, प्रौद्योगिकी और निवेश के क्षेत्र में नए प्रयास किए जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारा और उत्तरी समुद्री मार्ग जैसे प्रकल्प इस दिशा में महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

इसके अलावा दोनों देश संयुक्त राष्ट्र, ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन और जी बीस जैसे मंचों पर भी मिलकर काम कर रहे हैं। वैश्विक व्यवस्था को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित बनाने के लिए भारत और रूस समान दृष्टिकोण साझा करते हैं। दोनों देश अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों के पालन पर जोर देते हैं।

बता दें कि आने वाले समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूस दौरे की भी संभावना है, जिससे दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय संवाद और मजबूत होगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि पुतिन का संभावित भारत दौरा और मोदी की प्रस्तावित रूस यात्रा इस साझेदारी को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

झारखंड में एसआईआर शुरू करने की प्रक्रिया तेज, घर-घर जाएंगे बीएलओ लगाएं स्टीकर

राज्य मुख्य चुनाव पदाधिकारी ने विधानसभा क्षेत्रों में तैयारियों की समीक्षा दिए निर्देश

रांची (एजेंसी)। झारखंड में मतदाता सूची के एसआइआर शुरू होने से पहले प्रशासनिक स्तर पर तैयारियों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। अब तक इन तैयारियों की समीक्षा वर्चुअल बैठकों के जरिए से की जा रही थी, लेकिन भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के बाद अब जिलों में जाकर भौतिक निरीक्षण शुरू किया जाएगा। इसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करना और संभावित कमियों को दूर करना है। राज्य के मुख्य चुनाव पदाधिकारी ने जमशेदपुर का दौरा कर जमशेदपुर पूर्वी और जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्रों में तैयारियों की समीक्षा की।

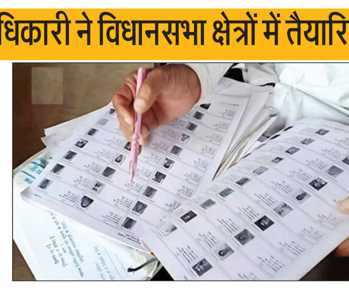

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, सटीक और समावेशी होनी चाहिए। वे आगामी दिनों में अन्य जिलों का भी दौरा कर तैयारियों का जायजा लेंगे। एसआइआर की तिथि को लेकर फिलहाल आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, हालांकि निर्वाचन विभाग के अधिकारियों को अप्रैल के पहले या दूसरे सप्ताह में इसकी घोषणा की उम्मीद थी। अब तक तिथि घोषित नहीं होने से प्रशासनिक स्तर पर थोड़ी अनिश्चितता बनी हुई है। अधिकारियों का मानना है कि भारत निर्वाचन आयोग कभी भी इसकी घोषणा कर सकता है। बंगाल और असम विधानसभा चुनाव के परिणाम चार मई को घोषित होने हैं। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि इन चुनावों के बाद मई माह में ही झारखंड में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

निर्वाचन आयोग इस बार विशेष रूप से इस बात पर ध्यान दे रहा है कि एक ही परिवार के सभी योग्य मतदाताओं के नाम एक ही मतदान केंद्र पर दर्ज हों। वर्तमान में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां एक ही परिवार के सदस्य अलग-अलग बूथों पर पंजीकृत हैं, जिससे मतदान के दौरान असुविधा होती है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने समीक्षा बैठकों में इस विसंगति को दूर करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को कहा गया है कि वे ऐसे मामलों की पहचान कर आवश्यक सुधार करें, ताकि मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

रिपोर्ट के मुताबिक मतदाता सूची में कोई भी पात्र नागरिक छूट न जाए, इसके लिए बीएलओ को घर-घर जाकर सत्यापन का जिम्मा सौंपा है। इस दौरान बीएलओ द्वारा प्रत्येक घर पर अपनी जानकारी वाला स्टीकर भी चिपकाया जा रहा है, जिससे संबंधित बूथ की पहचान और संपर्क आसान हो सके। बीएलओ घरों का सर्वे करते हुए एक रजिस्टर में परिवार के सभी मतदाताओं और उनके मुखिया का विवरण दर्ज कर रहे हैं। जिन घरों के पास पहले से कोई आधिकारिक मकान संख्या नहीं है, उन्हें भी एक अस्थायी नंबर प्रदान किया जा रहा है ताकि डेटा का व्यवस्थित संकलन हो सके।

संसद में प्रतिनिधित्व कम हुआ तो लोगों में फैलेगा असंतोष, विरोध में सड़कों पर उतरेंगे

–तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष कविता ने परिसीमन को लेकर केंद्र को दी चेतावनी

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष कलवकुंतला कविता प्रस्तावित नई राजनीतिक पार्टी के लॉन्च से पहले धार्मिक आस्था के तहत वाराणसी के लिए रवाना हुईं। वह काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगी। रवाना होने से पहले हैदराबाद में मीडिया से बातचीत करते हुए कविता ने महिला आरक्षण बिल और प्रस्तावित परिसीमन को लेकर केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में संसद में तेलंगाना का प्रतिनिधित्व करीब 3.13 फीसदी है और परिसीमन के बाद भी यही प्रतिशत राज्य के लिए आधार रेखा होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि यह हिस्सा कम किया जाता है तो राज्य के लोगों में असंतोष बढ़ेगा और वे विरोध के लिए सड़कों पर उतर सकते हैं। कविता ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित 50 फीसदी सीट बढ़ोतरी के मॉडल पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पहली नजर में यह प्रस्ताव उचित लगता है लेकिन जब अन्य राज्यों के मुकाबले तेलंगाना को मिलने वाली हिस्सेदारी का आकलन किया जाता है, तो अंतर बड़ा नजर आता है। उन्होंने साफ कहा कि दक्षिण भारतीय राज्यों के साथ किसी भी प्रकार का असंतुलन स्वीकार्य नहीं होगा और निष्पक्ष प्रतिनिधित्व तय किया जाना चाहिए।

महिला आरक्षण बिल को परिसीमन से जोड़ने के मुद्दे पर भी उन्होंने कड़ा विरोध जताया। कविता ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र सरकार दोनों मुद्दों को आपस में जोड़ रही है, जबकि महिला आरक्षण को स्वतंत्र रूप से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि इसे अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण से जोड़ा जाए ताकि महिलाओं के अंदर भी सामाजिक न्याय सुनिश्चित हो सके।

कविता ने महिला आरक्षण में पिछड़ा वर्ग आरक्षण महिलाओं के लिए उप-कोटा की जोरदार वकालत की। उन्होंने कहा कि 33 फीसदी आरक्षण के भीतर पिछड़ा वर्ग आरक्षण महिलाओं को उनका उचित हिस्सा मिलना बहुत जरूरी है। उनके मुताबिक, मौजूदा स्थिति में इन विधेयकों को लेकर भ्रम बना हुआ है लेकिन सरकार को स्पष्ट नीति बनाते हुए सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना चाहिए।

चीन की चाल ! भारत का नाम लेकर कहा अरुणाचल प्रदेश अवैध, वह हमारी जगह

–जांगनान क्षेत्रों के नाम रखने का अधिकार हमारे पास, भारत ने दावे को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-चीन में फिर तनाव बढ़ सकता हैं क्योंकि चीन के विदेश मंत्रालय ने अरुणाचल प्रदेश को तथाकथित करार दिया है। साथ ही कहा कि इसे भारत ने अवैध रूप से स्थापित किया है। चीन का दावा है कि जांगनान क्षेत्र में कुछ स्थानों के नाम रखने का अधिकार हमारे पास है। खास बात है कि भारत ने चीन की तरफ से भारतीय क्षेत्र को काल्पनिक नाम रखने की कोशिशों को रविवार को खारिज कर दिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश पर दावे की बात कही। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि जांगनान चीचन का इलाका है और उसने भारत की तरफ से अवैध रूप से बनाए गए तथाकथित अरुणाचल प्रदेश को कभी स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि जांगनान के इलाकों के नामों को अपने हिसाब से बदलना उसका अधिकार है।

चीन की तरफ से अरुणाचल प्रदेश के कुछ क्षेत्रों के नए नाम प्रकाशित करने के बाद भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि चीन की ओर से भारत के क्षेत्रों का काल्पनिक नाम देने के किसी भी प्रयास को भारत सिरे से खारिज करता है। साथ ही कहा था कि इस तरह की कोशिशें द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों को पटरी से उतार सकती हैं।

चीनी प्रवक्ता जियाकुन ने कहा कि वर्तमान में चीन-भारत संबंध स्थिर हैं। चीन-भारत संबंधों को बेहतर बनाने और विकसित करने के लिए चीन की नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हम आशा करते हैं कि दोनों पक्ष एक ही दिशा में काम करेंगे और द्विपक्षीय संबंधों के लिए ज्यादा अनुकूल कदम उठाएंगे। चीन 2017 से अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए अपने नाम प्रकाशित करता रहा है, जिस पर भारत लगातार आपत्ति जताता रहा है। जांगनान अरुणाचल प्रदेश का चीनी नाम है। चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा होने का दावा करता है।

चीन के शिनजियांग उइगुर स्वायत्त क्षेत्र ने 26 मार्च को सेनलिंग काउंटी के गठन की घोषणा की, जो पीओके और अफगानिस्तान के पास स्थित एक रणनीतिक क्षेत्र है। यह वास्तविक नियंत्रण रेखा एलएसी के पश्चिमी क्षेत्र के भी पास है। काराकोरम पर्वत श्रृंखला के पास स्थित सेनलिंग, मुख्य रूप से मुस्लिम उइगुर बहुल क्षेत्र शिनजियांग में चीन

द्वारा स्थापित तीसरा नया काउंटी है। भारत ने पिछले साल हेआन और हेकांग काउंटी के गठन को लेकर चीन के सामने विरोध दर्ज कराते हुए कहा था कि उनके अधिकार क्षेत्र का कुछ हिस्सा उसके केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के अंतर्गत आता है।

बिहार में संभावनाएं विकास की: अब सत्ता सम्राट की

ललित गर्ग

नीतीश कुमार का व्यक्तित्व एक संतुलित, संयमित और व्यावहारिक नेता के रूप में उभरता है। वे आक्रामक राजनीति के बजाय संवाद और सहमति की राजनीति के पक्षधर रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठाकर विकास के एजेंडे से जोड़ने का प्रयास किया।

बिहार की राजनीति लंबे समय से बदलाव, प्रयोग और नेतृत्व के उतार-चढ़ाव का साक्षी रही है। ऐसे परिदृश्य में जब लंबे इंतजार और जटिल कूटनीतिक समीकरणों के बाद पहली बार भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में शासन स्थापित होने की स्थिति बनती है और सम्राट चौधरी जैसे नेता मुख्यमंत्री के रूप में उभरते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि एक संभावित राजनीतिक और प्रशासनिक परिवर्तन का संकेत भी है। यह क्षण बिहार के लिए एक नए युग की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है, जहां अपेक्षाएं केवल शासन परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन की गुणवत्ता, दृष्टि और परिणामों की भी हैं। नये मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी के सामने न सिर्फ बिहार की जनता में एक कुशल प्रशासक की छाप छोड़ने की चुनौती है, बल्कि पार्टी की अपेक्षाओं एवं नीतीश कुमार द्वारा खींची रेखाओं से आगे निकलने के संघर्ष में भी उन्हें खरा उतरना होगा। सम्राट को उससे आगे ऐसा कुछ करना होगा, ताकि भाजपा उसके आधार पर भविष्य की दावेदारी पेश कर सके एवं अपने बल पर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की पात्रता विकसित कर सके। बिहार में भाजपा का एक नया अध्याय शुरू हो रहा है, सम्राट के भरोसे से।

सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री के रूप में चयन कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। वे कोई अप्रत्याशित या अपरिचित चेहरा नहीं हैं। बिहार की राजनीति में सक्रिय रहते हुए, उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए और विभिन्न राजनीतिक धाराओं से गुजरते हुए उन्होंने राज्य की जटिलताओं को निकट से समझा है। उनकी राजनीतिक यात्रा उन्हें एक व्यावहारिक नेता के रूप में स्थापित करती है, जो केवल सिद्धांतों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन की वास्तविकताओं से भी जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि उनके नेतृत्व से बिहार की जनता को एक ऐसे प्रशासन की उम्मीद है जो नीतिगत स्पष्टता के साथ-साथ क्रियान्वयन की क्षमता भी रखता हो। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि बिहार में नेतृत्व का मूल्यांकन केवल व्यक्ति के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी नीतियों, प्राथमिकताओं और परिणामों के आधार पर होता है। पिछले वर्षों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से सामने आई है कि शासन की सफलता का निर्धारण केवल मुख्यमंत्री के व्यक्तित्व से नहीं, बल्कि उस व्यापक नीति-ढांचे से होता है जो केंद्र और राज्य के बीच समन्वय स्थापित करता है। भारतीय राजनीति में यह एक नया आयाम है, जहां केंद्र सरकार की नीतियां राज्यों के विकास की दिशा को काफी हद तक प्रभावित करती हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों के उदाहरण इस बात को पुष्ट करते हैं कि अपेक्षाकृत कम चर्चित चेहरों के बावजूद विकास की गति तेज रह सकती है, यदि नीतिगत समर्थन और प्रशासनिक इच्छाशक्ति मजबूत हो।

बिहार के संदर्भ में यह पहलू और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह राज्य लंबे समय तक अवसंरचनात्मक पिछड़ेपन, बेरोजगारी, पलायन और सामाजिक विषमताओं से जूझता रहा है। ऐसे में सम्राट चौधरी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वे इन जटिल समस्याओं के समाधान के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करें। केवल राजनीतिक स्थिरता पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि उसे विकासात्मक स्थिरता में परिवर्तित करना होगा। सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत क्षेत्रों में निरंतर सुधार के साथ-साथ रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देना होगा, ताकि बिहार के युवाओं को अपने ही राज्य में अवसर मिल सकें। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि बिहार के हालिया इतिहास में यदि किसी नेता ने प्रशासनिक सुधार और सुशासन की एक स्पष्ट छवि प्रस्तुत की है, तो वह नीतीश कुमार हैं। उन्होंने जिस समय सत्ता संभाली, उस समय बिहार 'जंगलराज' की छवि से जूझ रहा था। कानून-व्यवस्था की स्थिति दयनीय थी, अवसंरचना लगभग ध्वस्त थी और राज्य की छवि राष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक थी। ऐसे समय में नीतीश कुमार ने सड़क, बिजली और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार किए। विशेष रूप से बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए साइकिल योजना जैसी पहलें सामाजिक परिवर्तन का आधार बनीं। उन्होंने प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही को भी बढ़ाने का प्रयास किया, जिससे शासन के प्रति जनता का विश्वास पुनः स्थापित हुआ।

नीतीश कुमार का व्यक्तित्व एक संतुलित, संयमित और व्यावहारिक नेता के रूप में उभरता है। वे आक्रामक राजनीति के बजाय संवाद और सहमति की राजनीति के पक्षधर रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठाकर विकास के एजेंडे से जोड़ने का प्रयास किया। हालांकि समय के साथ उनकी राजनीतिक रणनीतियों और गठबंधनों में बदलाव ने उनकी छवि को कुछ हद तक प्रभावित भी किया, लेकिन उनके द्वारा स्थापित प्रशासनिक मानक आज भी बिहार के लिए एक संदर्भ बिंदु बने हुए हैं। सम्राट चौधरी के लिए यह एक बड़ी चुनौती और अवसर दोनों है कि वे इन स्थापित मानकों को न केवल बनाए रखें, बल्कि उन्हें और आगे बढ़ाएं। उन्हें यह समझना होगा कि बिहार की जनता अब केवल वादों से संतुष्ट नहीं होती, बल्कि परिणाम चाहती है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभी भी सुधार की व्यापक संभावनाएं हैं। सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता, उच्च शिक्षा के अवसर, अस्पतालों की स्थिति और चिकित्सकीय सुविधाओं का विस्तार ऐसे क्षेत्र हैं जहां ठोस कार्य की आवश्यकता है। इसके साथ ही भ्रष्टाचार एक ऐसी समस्या है जो किसी भी विकासात्मक प्रयास को कमजोर कर सकती है। यदि सम्राट चौधरी वास्तव में एक प्रभावी और जनोन्मुखी शासन स्थापित करना चाहते हैं, तो उन्हें प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचारमुक्त शासन, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। डिजिटल गवर्नेंस, ई-टेंडरिंग और निगरानी तंत्र को सशक्त बनाकर इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं।

महिला सशक्तिकरण भी बिहार के विकास का एक महत्वपूर्ण आयाम है। पिछले वर्षों में इस दिशा में कुछ सकारात्मक पहलें हुई हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ाना राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए अनिवार्य है। यदि सम्राट चौधरी इस क्षेत्र में ठोस और नवाचारी कदम उठाते हैं, तो यह बिहार की प्रगति को एक नई दिशा दे सकता है। पलायन की समस्या भी बिहार के लिए एक स्थायी चुनौती रही है। लाखों लोग रोजगार की तलाश में अन्य राज्यों में जाते हैं, जिससे न केवल राज्य की श्रमशक्ति का क्षरण होता है, बल्कि सामाजिक संरचना पर भी प्रभाव पड़ता है। इस समस्या का समाधान केवल उद्योगों के विकास और स्थानीय रोजगार के अवसरों के सृजन से ही संभव है। कृषि आधारित उद्योग, लघु और मध्यम उद्योग तथा स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देकर इस दिशा में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

निश्चिततौर पर यह कहा जा सकता है कि बिहार आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां अतीत के अनुभव, वर्तमान की अपेक्षाएं और भविष्य की संभावनाएं एक साथ उपस्थित हैं। सम्राट चौधरी के नेतृत्व में यह राज्य किस दिशा में आगे बढ़ेगा, यह उनके निर्णयों, नीतियों और कार्यशैली पर निर्भर करेगा। यदि वे नीतीश कुमार द्वारा स्थापित सुशासन के मानकों को आधार बनाते हुए नवाचार और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ आगे बढ़ते हैं, तो बिहार न केवल अपने पुराने कलंक से पूरी तरह मुक्त हो सकता है, बल्कि एक विकसित और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में भी उभर सकता है। यह समय केवल नेतृत्व परिवर्तन का नहीं, बल्कि सोच और दृष्टिकोण के परिवर्तन का है। बिहार की जनता अब जागरूक है, अपेक्षाएं स्पष्ट हैं और अवसर भी व्यापक हैं। ऐसे में सम्राट चौधरी के लिए यह आवश्यक है कि वे व्यक्ति-आधारित राजनीति से ऊपर उठकर नीतियों और परिणामों पर केंद्रित शासन प्रस्तुत करें। यदि वे ऐसा कर पाते हैं, तो न केवल वे अपने नेतृत्व को सिद्ध करेंगे, बल्कि बिहार को एक नई पहचान भी देंगे-एक ऐसे राज्य के रूप में जो संघर्ष से उबरकर सफलता की नई गाथा लिखने में सक्षम है।

संपादकीय

बढ़ेगा गरीबी का दायरा

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम यानी यूएनडीपी की पश्चिम एशिया युद्ध से भारत पर पड़ने वाले प्रभावों को उजागर करने वाली रिपोर्ट के निष्कर्ष चिंता बढ़ाने वाले हैं। रिपोर्ट बताती है कि खाड़ी में ईरान-अमेरिकी युद्ध से उपजी परिस्थितियों के चलते भारत में और 25 लाख लोग गरीबी की दलदल में फंस सकते हैं। साथ ही मानव विकास की प्रगति में कुछ कमी आने की आशंका पैदा हो गई है। रिपोर्ट इस बात का भी खुलासा करती है कि पश्चिम एशिया में सैन्य गतिविधियों में वृद्धि से एशिया प्रशांत क्षेत्र में मानव विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। रिपोर्ट बताती है कि ईंधन, मालभाड़ा और कच्चे माल की लागत बढ़ने से लोगों की घरेलू क्रयशक्ति घट रही है, जिससे खाद्य असुरक्षा भी बढ़ रही है। वहीं विकास कार्यों के लिए निर्धारित सरकारी बजट पर भी अतिरिक्त दबाव बढ़ रहा है। इसके अलावा आजीविका के अवसर कम हो रहे हैं। इस संकट में जहां पूरे विश्व में 88 लाख लोगों के गरीबी की चपेट में आने की आशंका है, वहीं भारत में यह अनुमानित संख्या 25 लाख है। रिपोर्ट में पश्चिम एशिया में तनाव के चलते एशिया-प्रशांत में तकरीबन 299 अरब डॉलर तक का नुकसान होने की आशंका है। हालांकि, भारत की बड़ी आबादी के सामने बढ़ने वाली गरीबों की संख्या छोटी है, लेकिन इससे भारत में गरीबी की दर बढ़ सकती है, जिसके 35.40 करोड़ होने की आशंका है। दरअसल, आज भी भारत करीब 90 फीसदी तेल जरूरतों के लिए आयात पर आश्रित है। हम कच्चे तेल का 40 फीसदी से अधिक और रसोई गैस का 90 फीसदी आयात पश्चिम एशिया से करते हैं। साथ ही हम अपने उर्वरकों का 40 फीसदी हिस्सा युद्धग्रस्त पश्चिमी एशिया से आयात करते हैं। एलएनजी की कीमतों में वृद्धि से कोयला आधारित बिजली पर हमारी निर्भरता बढ़ी है। वहीं दूसरी ओर व्यापार व आपूर्ति शृंखला भी प्रभावित हुई। आशंका है कि संघर्ष से रेमिटेंस में भी कमी आएगी। निस्संदेह, मालभाड़ा शुल्क, युद्ध जोखिम बीमा, मार्ग परिवर्तन और देरी की वजह से आयातित तेल आदि की कीमतों में वृद्धि हो रही है, जिससे हमारे आयात मूल्य में वृद्धि व निर्यात का नुकसान बढ़ा है। असर हमारी खाद्य सुरक्षा पर भी पड़ रहा है। वहीं खाद की आपूर्ति में बाधा का असर खरीफ की फसल पर पड़ने की आशंका है। इस सब के चलते बढ़े दामों का प्रभाव आम आदमी की जेब पर हो रहा है, जिसका रोजगार और आय के मामले में असर बड़ी आबादी पर नजर आ रहा है। हाल ही में नोएडा और मानेसर में श्रमिक असंतोष को इसकी परिणति के रूप में महसूस किया जा सकता है। दरअसल, आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हो रही है। आर्थिक परेशानियों के चलते आम आदमी अब अपने जरूरी खर्चों में कटौती कर रहा है। वजह है उसकी आय के साधन सीमित होना।

चिंतन-मनन

प्रेम और सहयोग का नाम है परिवार

पारिवारिक सदस्यों के त्याग, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, संतुष्टि व व्यसनमुक्ति से ही परिवार संयुक्त और समृद्धिशाली बनता है। वे सौभाग्यशाली हैं जो संयुक्त परिवार में रह रहे हैं तथा जिन्हें माता -पिता का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। विश्व बंधुत्व की बात करने वालों को पहले अपने परिवार में बंधुत्व बनाए रखने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार टूट रहे हैं। हम अधिकारों की बजाए एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखेंगे, तभी हमारे परिवार खुशहाल और सुदृढ़ होंगे।

एक माता-पिता अपने पाँच-पाँच बच्चों को पाल पोसकर बड़ा करके योग्य बना देते हैं जबकि पाँच-पाँच बच्चे बुढ़ापे में अपने एक माता-पिता को संभालने से कतराते हैं। आज हम जितने बूढ़े दादा-दादी के प्रति लापरवाह हैं यदि हमारे बचपन में वे हमारे प्रति इतने ही लापरवाह होते तो हमारी क्या दुर्गति हो गई होती। इस बात को युवा पीढ़ी को अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए।

परिवार में ब्याह कर आई नई बहू को चाहिए कि जितने उम्र का पति उसे मिला है कम से कम उतने साल तो सास-ससुर का फर्ज मानकर उन्हें निभा देना चाहिए। इस पीढ़ी को व्यसनमुक्त होकर अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके प्रणाम करने के तरीको को जीवन में अपनाना चाहिए। जीवन में सदाचार को अपना कर हमें अपने विचारों को बदलना होगा। विचार जीवन का प्रतिबिंब है। संतों की संगति से अच्छे विचार आते हैं। विचार अच्छे होना हमारी जागरूकता को दर्शाता है। हमारे विचार हमारे जीवन का परिचय देते हैं। रुपया-पैसे का लालच छोड़कर हमें जीवन में धार्मिक आराधना करते रहना चाहिए। जिससे हमारा जीवन और हमारे परिवार का जीवन सार्थक होगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतें आम आदमी की जेब पर भारी संकट

कांतिलाल मांडोत

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर एक बार फिर चिंता गहराती नजर आ रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल के कारण भारत में भी ईंधन महंगा होने की आशंका बढ़ गई है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट के अनुसार, पेट्रोल की कीमतों में लगभग 18 रुपए प्रति लीटर और डीजल में 35 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ोतरी संभव है। यह संभावित वृद्धि ऐसे समय में सामने आई है जब देश के कई राज्यों में चुनावी माहौल है और फिलहाल कीमतों को स्थिर रखा गया है।

भारत जैसे देश में जहां ऊर्जा की जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात पर निर्भर करता है, वहां कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव सीधे आम लोगों की जिंदगी को प्रभावित करता है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। इसमें से एक बड़ा हिस्सा मध्य पूर्व और रूस जैसे क्षेत्रों से आता है। ऐसे में वैश्विक राजनीतिक तनाव, युद्ध या आपूर्ति में कमी का असर सीधे भारतीय बाजार पर पड़ता है।

पिछले कुछ हफ्तों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। करीब डेढ़ महीने के भीतर ही कीमतों में 27 डॉलर प्रति बैरल तक का उछाल दर्ज किया गया है। इस बढ़ोतरी ने तेल कंपनियों पर भारी दबाव बना दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, तेल कंपनियां हर लीटर पेट्रोल पर करीब 18 रुपए और डीजल पर 35 रुपए तक का नुकसान झेल रही हैं। कुल मिलाकर यह नुकसान प्रतिदिन लगभग 1600 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जो पहले 2400 करोड़ रुपए के स्तर तक भी जा चुका था।

सरकार द्वारा एक्साइज ड्यूटी में कुछ कटौती किए जाने के बावजूद यह राहत पर्याप्त साबित नहीं हो रही है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार का तेल पर मिलने वाला राजस्व भी घटा है। जहां 2017 में यह 22 प्रतिशत था, वहीं अब घटकर करीब 8 प्रतिशत रह गया है। इसका मतलब यह है कि सरकार के पास भी कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सीमित विकल्प बचे हैं। यदि सरकार पूरी तरह से एक्साइज ड्यूटी हटा भी दे, तब भी कंपनियों के घाटे की पूरी भरपाई संभव नहीं है।

इस स्थिति का एक बड़ा कारण वैश्विक स्तर पर बढ़ता तनाव भी है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष, विशेष रूप से ईरान और यूनाइटेड स्टेट के बीच बढ़ती खींचतान, कच्चे तेल की आपूर्ति को प्रभावित कर रही है। आपूर्ति में कमी और मांग में स्थिरता या वृद्धि के कारण कीमतें तेजी से ऊपर जा रही हैं। इसका असर केवल ईंधन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

ईंधन की कीमतें बढ़ने का सीधा असर परिवहन लागत पर पड़ता है, जिससे हर वस्तु की कीमत बढ़ जाती है। खाद्य तेल, साबुन, शैंपू, बिस्किट और अन्य रोजमर्रा के उत्पाद महंगे होने लगते हैं। कई कंपनियां कीमतें बढ़ाने के बजाय पैकेट का आकार छोटा कर देती हैं, जिसे ह्यश्रिंकफ्लेशनह्व कहा जाता है। इससे उपभोक्ताओं पर अप्रत्यक्ष रूप से बोझ बढ़ता है। खाद्य तेल की बात करें तो भारत अपनी जरूरत का लगभग 57 प्रतिशत आयात करता है। कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से इनके दाम भी 7 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। वहीं प्लास्टिक और पैकेजिंग सामग्री महंगी होने से एफएमसीजी कंपनियों की लागत बढ़ गई है। इसका असर सीधे उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ रहा है।

घरेलू उपकरणों के क्षेत्र में भी लागत में 10 से 15 प्रतिशत तक की वृद्धि हो चुकी है। कंपनियां इसका बड़ा हिस्सा पहले ही ग्राहकों पर डाल चुकी हैं और आगे भी कीमतें बढ़ने की संभावना बनी हुई है। कपड़ा उद्योग में सिंथेटिक फाइबर की कीमतें 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं, जिससे कपड़ों के दाम भी बढ़ेंगे। पेंट उद्योग में भी लागत में वृद्धि के कारण 2 से 5 प्रतिशत तक कीमत बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। इस पूरी स्थिति का एक और महत्वपूर्ण पहलू देश का चालू खाता घाटा है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण भारत का चालू खाता घाटा बढ़ सकता है। अनुमान है कि 2026 की पहली तिमाही में यह 20 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह देश की आर्थिक स्थिरता के लिए चिंता का विषय है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ईंधन की कीमतों में वृद्धि देखी जा रही है। यूनाइटेड स्टेट में पेट्रोल की औसत कीमतें 4 डॉलर प्रति गैलन के पार पहुंच गई हैं, जो पिछले कुछ वर्षों में एक महत्वपूर्ण स्तर माना जाता है। भारत के पड़ोसी देशों जैसे पाकिस्तान, नेपाल और श्रीलंका में भी ईंधन की कीमतों में वृद्धि की गई है। फिलहाल भारत में कीमतों को स्थिर रखा गया है, लेकिन यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहना मुश्किल है। जैसे ही चुनावी प्रक्रिया समाप्त होगी, कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। यदि ऐसा होता है तो इसका सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ेगा और महंगाई में और वृद्धि होगी। इस परिस्थिति में सरकार के सामने संतुलन बनाए रखने की चुनौती है। एक ओर कंपनियों के घाटे को कम करना जरूरी है, तो दूसरी ओर आम जनता को राहत देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसके लिए दीर्घकालिक समाधान की आवश्यकता है, जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना, आयात पर निर्भरता कम करना और ऊर्जा दक्षता में सुधार करना।

अंततः यह स्पष्ट है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में संभावित वृद्धि केवल एक आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव भी रखती है। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सरकार और तेल कंपनियां इस चुनौती से कैसे निपटती हैं और आम जनता को कितनी राहत मिल पाती है।

लेकिन शहरी माओवाद पर कैसे लगे लगाम

उमेश चतुर्वेदी

बीते तीस मार्च को गृहमंत्री अमित शाह ने लाल आतंक के रूप में कुख्यात रहे माओवादी और नक्सली आतंकवाद के खात्मे का औपचारिक अंत की घोषणा कर दी है। चाहे माओवाद हो या नक्सलवाद, दोनों ही धाराएं उग्रपंथी वामपंथ से प्रभावित रही हैं। इनका मानना रहा है कि सत्ता बंदूक की नली या बारूद से निकलती है। इसी विचारधारा के तहत इस वैचारिकी ने भारत के तकरीबन एक तिहाई जिलों पर अरसे तक कब्जा जमाए रखा। इस विचारधारा से प्रभावित लाल आतंक एक दौर में पशुपति से लेकर तिरूपति तक फैला हुआ था। लेकिन अब यह निस्तेज हो चुका है। ज्यादातर नक्सली या माओवादी लड़ाके या तो हथियार डाल कर मुख्यधारा की जिंदगी में वापस लौट गए हैं या फिर सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारे गए हैं। लेकिन अब भी इस विचारधारा से प्रभावित एक वर्ग बचा हुआ है। जिसका सत्ता के प्रतिष्ठानों पर भले ही प्रभाव ना हो, लेकिन तंत्र पर उसका प्रभाव अब भी है। मार्च 2022 में जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद और कश्मीरी पंडितों के घाटी छोड़ने की पृष्ठभूमि पर एक फिल्म आई थी। ह्यद कश्मीर फाइल्सह्व नामक इस फिल्म में एक संवाद है, सत्ता भले ही उनकी है, लेकिन सिस्टम अपना है। इस संवाद में जिस सिस्टम की ओर इशारा है, दरअसल तंत्र पर उसका ही प्रभाव है। कहना न होगा कि यह प्रभावी तबका वैसी ही उग्र वामपंथी विचारधारा से प्रभावित है, जिसके बारूदी रूख के अंत का ऐलान गृहमंत्री अमित शाह ने किया है। कभी दिल्ली विश्वविद्यालय में सक्रिय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिज्ञासु कार्यकताओं ने इसे ह्यअर्बन नक्सलह्व कहा था। अर्बन यानी शहरी नक्सल। याद कीजिए, छह अप्रैल 2010 की घटना, जब बस्तर में सीआरपीएफ के 74 जवानों को घेरकर नक्सलियों ने बारूदी सुरंगों के जरिए उड़ाकर मार डाला था। इस लोमहर्षक कार्रवाई भारतीय राष्ट्र राज्य पर अर्बन नक्सल समुदाय ने बड़ी जीत के रूप में देखा था। राजधानी दिल्ली में लाल गढ़ के रूप में विख्यात जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने इस कार्रवाई पर खुलेआम खुशियां जताई थीं। तमाम विश्वविद्यालयों के वामपंथी प्रोफेसरों और छात्रों के एक समूह ने इस लोमहर्षक हत्या कांड को भारतीय राज व्यवस्था पर नक्सली जीत के रूप में लिया था। बस्तर की इस घटना के बाद तत्कालीन मनमोहन सरकार सकते में थी। उसने समानांतर सत्ता चला रहे नक्सली और माओवादी आतंकियों पर हवाई कार्रवाई करने का विचार शुरू कर दिया था। लेकिन शहरी इलाकों के वामपंथी बुद्धिजीवियों ने इसका विरोध शुरू किया। तंत्र में इनकी उपस्थिति कितनी प्रभावी है, इससे ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि मनमोहन सरकार ने नक्सली हिंसा का प्रभावी जवाब देने का विचार त्याग दिया था।

नक्सलवाद कहें या माओवाद या फिर वामपंथ की कोई अन्य धारा, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, पत्रकारिता, स्वयंसेवी संगठनों, वकालत, अस्पतालों, प्रशासनिक व्यवस्था और कर्मचारीतंत्र में भी इनके प्रभावी लोग अब भी मिल जाएंगे। अरूंधती रॉय, हर्ष मंदर, प्रशांत भूषण जैसे प्रसिद्ध बुद्धिजीवी तो खुद ही मानते हैं कि वे इस विचारधारा से हैं।

तंत्र में इस विचारधारा के प्रभावी होने की शुरूआत 1969 में कांग्रेस के विभाजन से होती है। तब अपनी केंद्रीय सत्ता को बचाने के लिए इंदिरा गांधी को वामपंथी दलों के सहयोग की जरूरत थी। उन्होंने सहयोग किया भी, बदले में शैक्षिक संस्थानों पर उनका प्रभाव बढ़ा। इसकी वजह यह रही कि इंदिरा सरकार ने शोध और शैक्षिक संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों को इन्हीं के हवाले कर दिया। इस विचारधारा ने अपने ही लोगों को इन संस्थानों में खूब भरा।

2014 में जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार आई तो यह वैचारिकी पहले सकते में रही। बाद में इसने रणनीति और पैंतरा बदला। शुरू में तो इस विचारधारा ने कभी पश्चिम बंगाल के जादवपुर विश्वविद्यालय में वैचारिकी आधारित आंदोलन छेड़ा तो कभी काशी हिंदू विश्वविद्यालय में लड़कियों से छेड़खानी के बहाने राष्ट्रवादी विचाराधारा को निशाने पर लेकर आंदोलन चलाया। हैदराबाद विश्वविद्यालय में रोहित बेमुला के बहाने राष्ट्रवादी शासन व्यवस्था के दौरान कथित तौर पर दलितों और पिछड़ों के उत्पीड़न का आरोप लगाकर वैचारिक आंदोलन खड़ा किया। दो कृषि कानूनों के बदलाव के विरोध में लंबे समय तक चले किसान आंदोलन को भी इस वैचारिकी का खुला समर्थन रहा। टूल किट गिरोह इसी दौरान बेपर्दा हुए। नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ देशभर के अल्पसंख्यकों को भड़काने और उन्हें आंदोलन में लाने के पीछे भी यही विचारधारा रही। इन आंदोलनों के लंबे समय तक चलने, इनके लिए लोगों के एकत्रित होने की वजह से अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहरी नक्सलियों का कितना बड़ा नेटवर्क है और कितनी गहराई तक उनकी पहुंच है।

मोदी सरकार के बाद राष्ट्रवादी विचारधारा को उम्मीद थी कि सत्ता केंद्रों और संस्थानों से इस विचारधारा की विदाई हो जाएगी। लेकिन अब भी यह विचारधारा प्रभावी तौर पर उपस्थित है। इस विचारधारा के कतिपय क्रांतिकारियों ने तो अब चोला तक बदल लिया है और मौजूदा सत्ता तंत्र में भागीदार भी बन चुके हैं। पत्रकारिता में अब भी इस विचारधारा के लोगों की भारी संख्या है। इसकी वजह से अब भी नैरेटिव का मायाजाल रचने में यह विचारधारा प्रभावी हो जाती है। नागरिक समाज में इस विचारधारा के लोग तभी पहचान में आते हैं, जब वे बहसों में हिस्सा लेते हैं या आंदोलनों में खुली भागीदारी करते हैं। अन्यथा समाज के सभी वर्गों की तरह इनको भी आसानी से सामान्य जन पहचान नहीं पाता। शहरी नक्सलवादियों की एक खासियत यह है कि वे खासा पढ़ते लिखते हैं। इसलिए बहसों में उनकी भागीदारी प्रभावी रहती है। लेकिन भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं का माखौल उड़ाना उन्हें सबसे प्रिय है। वैसे भारतीय शैक्षिक संस्थानों में एक सोच गहरे तक पैठी हुई है कि युवावस्था में जो वामपंथी नहीं हुआ, इसका अभिप्राय है कि उसमें कोई न कोई कमी है। इस सोच की बुनियाद और संस्थानों में अपनी प्रभावी उपस्थिति के चलते यह विचारधारा अक्सर युवाओं को प्रभावित कर लेती है। उसके आगोश में आने के बाद युवा भारतीयता, भारतीय मूल्य और सांस्कृतिक परंपराओं का माखौल उड़ाने लगता है, उसे पूजा-पाठ दकियानूसी लगने लगता है। हालांकि अल्पसंख्यकों के धार्मिक और सांस्कृतिक कलाप उसे प्रगतिशीलता की निशानी लगने लगते हैं। इस तरह समाज के बीच वे अपनी वैचारिक धारा को बनाए रखने के जतन में जुटे रहते हैं।

जंगलों, खेतों-खलिहानों और आदिवासी इलाकों में खून की होली खेलने, रेल की पटरियां उड़ाने, स्कूलों को उड़ाने वाली खूनी नक्सली और माओवादी विचारधारा के समर्थक और नेतृत्वकर्ता भले ही सुरक्षा बलों की कार्रवाई और समानांतर चलाई गई विकास योजनाओं के चलते खत्म हो गए हों या हथियार डाल दिए हों, लेकिन किताबों, बहसों और नैरेटिव के सहारे लड़ाई चलाने वाले माओवादी और नक्सली अब भी बाकी हैं और तंत्र में प्रभावी मौजूदगी भी रखते हैं। कहा जाता है कि विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं। उनके अनुयायियों की संख्या कम-ज्यादा जरूर हो सकती हैं। मौजूदा सामाजिक और राजनीतिक तंत्र ऐसा नहीं रहा कि हथियार के सहारे क्रांतियां कर ली जाएं और सत्ताएं बदल दी जाएं। ऐसा होता तो अमेरिका पूरी दुनिया पर राज कर रहा होता, क्योंकि उसकी सेना दुनिया की सबसे ताकतवर सेना है, उसके पास हथियारों का अकूत भंडार है। अब राजसत्ताओं को बारूद या बंदूक के जरिए नहीं बदला जा सकता। बारूद और बंदूक के सहारे सत्ता बदलने वाला तंत्र इसीलिए पस्त हो गया। लेकिन वैचारिक लड़ाई करने वालों को समानांतर खड़ा मजबूत वैचारिक तंत्र ही मात दे सकता है। दूसरी बात यह है कि वैचारिक तंत्र को जहां से खाद-पानी मिलता है, उस स्रोत को ही खत्म करके वैचारिकी को काबू में किया जा सकता है। वैचारिकी की बुनियाद पर जहर फैलाने वाले लोगों को सामाजिक तौर पर अलग-थलग करना भी इसे रोकने की रणनीति हो सकती है।

ऑपरेशन किरण के तहत पुलिस द्वारा 5 परिवारों का कराया गया समझौता

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमरोहा के निर्देशन में ऑपरेशन किरण के तहत थाना हसनपुर द्वारा 01, महिला थाना अमरोहा पुलिस द्वारा 01, महिला थाना गजरौला द्वारा 01 एवं थाना गजरौला पुलिस द्वारा 02 पारिवारिक विवाद में कुल 05 परिवारों का सुलह-समझौता कराते हुए परिवारो को बिखरने से बचाया गया।

पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्दशन में, अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अखिलेश भदौरिया व क्षेत्राधिकारी के निकट पर्यवेक्षण में ऑपरेशन किरण अभियान के अन्तर्गत थाना हसनपुर द्वारा 01, महिला थाना अमरोहा पुलिस द्वारा 01, महिला थाना गजरौला द्वारा 01 एवं थाना गजरौला पुलिस द्वारा 02 प्रार्थना पत्र की काउंसलिंग करायी गयी। काउंसलिंग के दौरान अमरोहा पुलिस द्वारा 05 जोडों का सुलह समझौता कराया गया एवं दोनो पक्षों कों कुशल, राजी खुशी, प्रेमपूर्वक नवजीवन उनके घर रवाना किया गया।

अमरोहा पुलिस ने शातिर अपराधियों पर की कठोर कार्यवाही

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में अपराध और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश कुमार भदोरिया के मार्गदर्शन में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए थाना हसनपुर पुलिस ने चार अपराधियों अमन पुत्र प्रमोद सिंह निवासी ग्राम चुचैलां कलां थाना मंडी धनौरा उम्र 23 वर्ष, रितिक पुत्र सतवीर निवासी ग्राम बरखेडा सादात थाना नौगावां सादात उम्र 22 वर्ष, मो0 तालिब पुत्र इदरीश निवासी मोहल्ला हाता कस्बा व थाना नौगावां सादात उम्र 26 वर्ष, जिंकल मान पुत्र सतेन्द्र निवासी ग्राम उकसी थाना अमरोहा देहात उम्र 21 वर्ष के विरुद्ध 3/4 गुंडा एक्ट की कार्यवाही की है। पुलिस ने इन अपराधियों के खिलाफ यह कार्यवाही अपराध और अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए की है।

इस कार्यवाही से क्षेत्र में अपराधियों में हड़कंप मच गया है और आम जनता में सुरक्षा की भावना बढ़ी है।

द आर्यन स्कूल की छात्रा वान्या त्यागी ने रचा इतिहास, दसवीं में 96.4% अंक हासिल

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जोया स्थित सीबीएसई स्कूल द आर्यन के छात्र-छात्राओं का दसवीं के बोर्ड परीक्षा परिणाम में पूरे जनपद में दबदबा रहा। 10वीं के परीक्षा परिणाम में मानवी मान, ज्योत्सना के साथ वान्या त्यागी ने 96.4% अंक लाकर अपने स्कूल एवं परिजनों का मान बढ़ाया है। वान्या त्यागी वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति एवं अंतर्राष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर डॉ राजीव त्यागी

की सपुत्री हैं, वान्या की मां शिवानी त्यागी भी लखनऊ विश्वविद्यालय की स्कॉलर रही हैं। वान्या की बड़ी बहन कशिश त्यागी ने भी बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च अंकों के साथ पास करने के बाद उवएळ में देश भर में पहला स्थान हासिल किया था। वान्या ने अपनी सफलता का पूरा श्रेय अपने स्कूल के प्रबंधन, टीचर्स, दादा-दादी, चाचा चाची, एवं अपनी बुवाओं को दिया है। वान्या आगे चलकर कार्डियोवैस्कुलर सर्जन यानी हृदय रोग विशेषज्ञ बनकर देश सेवा करना चाहती हैं।

सीडीओ की अध्यक्षता में हुआ किसान दिवस का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, अधिशासी अभियंता विद्युत, सिंचाई, ट्यूबवेल, बैंक, गन्ना विभाग पीडब्ल्यूडी इत्यादि विभाग के कर्मचारी तथा जनपद के विभिन्न किसान संगठनों के पदाधिकारी एवं किसान उपस्थित रहे। किसान दिवस में किसान भाइयों द्वारा चीनी मिलों

के भुगतान, बैंक, बिजली विभाग संबंधी समस्याओं पर चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि शासन की मंशा अनुसार किसानों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाये और सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ पारदर्शिता के साथ मिलें। मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा सभी किसान भाइयों से फार्मर रजिस्ट्री कराई जाने हेतु आह्वान किया। उप कृषि निदेशक डॉ रामप्रवेश ने अवगत कराया कि फार्मर रजिस्ट्री उर्वरक के केंद्र पर बिक्री हेतु एवं अन्य सभी योजनाओं के लिए फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य कर दी गई है।

ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार स्थापित करने का स्वर्णिम अवसर

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के तहत जनपद अमरोहा को वित्तीय वर्ष 2026-27 में 14 इकाइयों की स्थापना तथा 70 लाख रुपये के पूंजी निवेश का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित इस योजना के अंतर्गत केवल ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण एवं सेवा क्षेत्र की छोटी इकाइयों की स्थापना की जा सकेगी। प्रत्येक परियोजना की अधिकतम लागत 10.00 लाख रुपये तक रखी गई है। योजना का लाभ ग्रामीण क्षेत्र के 18 से 50 वर्ष तक के पुरुष एवं महिला उद्यमी उठा सकते हैं। इच्छुक बेरोजगार युवक-युवतियां, महिलाएं एवं पुरुष अपनी इकाई स्थापित करने

के लिए https://mmgrykhadi.upsdc.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अंतिम तिथि 15 मई 2026 निर्धारित की गई है। आवेदन के समय फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड, परियोजना रिपोर्ट, शैक्षिक एवं तकनीकी योग्यता प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, ग्रामीण क्षेत्र में कार्यशाला का प्रमाण पत्र तथा राशन कार्ड आदि दस्तावेज अपलोड करने होंगे। योजना के तहत सामान्य श्रेणी के पुरुष उद्यमियों को बैंक द्वारा प्रभावित ब्याज में 4 प्रतिशत स्वयं वहन करना होगा, शेष ब्याज सब्सिडी के रूप में 5 वर्षों तक 20 प्रतिशत घटते क्रम में प्रदान किया जाएगा। वहीं आरक्षित वर्ग (अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिला, पूर्व सैनिक एवं दिव्यांग) के उद्यमियों को पूरे ब्याज की सब्सिडी 5 वर्षों तक 20 प्रतिशत घटते हुए क्रम में मिलेगी। अधिक जानकारी के लिए जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, मालीखेड़ा रोड, मोहल्ला पुष्कर नगर, निकट रेलवे स्टेशन, अमरोहा से संपर्क किया जा सकता है।

नागपाल इंटरनेशनल स्कूल का शानदार रिजल्ट, मिशिका नेगी बनीं टॉपर

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला स्थित नागपाल इंटरनेशनल स्कूल ने कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम देकर एक बार फिर अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता और अनुशासन का परचम लहराया है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने कड़ी मेहनत, लगन और समर्पण के बल पर शानदार प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम गौरवान्वित किया।

विद्यालय की टॉपर सूची में मिशिका नेगी ने 97.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। पार्थ गहलोत ने 96.2 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि संजना कुमारी ने 93.4 प्रतिशत अंक हासिल कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा आदित्य सिंह (91.4 प्रतिशत) और तनिष्का चौहान (91 प्रतिशत) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शीर्ष पांच में जगह बनाई।

इस उपलब्धि पर विद्यालय की चेयरपर्सन अंशु नागपाल ने कहा कि यह सफलता केवल अंकों तक सीमित नहीं है, बल्कि निरंतर प्रयास, अनुशासन और सही मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे भी इसी तरह मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय के संरक्षक देवेंद्र नागपाल ने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उत्कृष्ट शैक्षिक वातावरण और शिक्षकों के समर्पण का परिणाम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी।

प्रधानाचार्य निशी सिंह ने भी विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के अथक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता सभी के संयुक्त प्रयास का प्रतिफल है। उन्होंने विद्यार्थियों को आगे भी इसी आत्मविश्वास और मेहनत के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

विद्यालय परिवार और समस्त स्टाफ ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। नागपाल इंटरनेशनल स्कूल शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है और भविष्य में भी उत्कृष्टता के नए आयाम स्थापित करता रहेगा।

श्री राम किसान किसान इंटर कॉलेज में विधिक जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस लाइन मण्डी में क्षेत्राधिकारी लाईन अवधभान सिंह द्वारा गुरुवार को पुलिस पेंशनर्स की गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के दौरान उपस्थित पुलिस पेंशनर्स की समस्याओं का सुना गया तथा उनको वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई तथा उनसे बचाव के उपायों के बारे में भी जागरूक किया गया।

गोष्ठी में पुलिस पेंशनर्स की व्यक्तिगत एवं सामूहिक समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया। गोष्ठी में संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों के शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी लाइन ने कहा कि पुलिस पेंशनर्स विभाग की अमूल्य धरोहर हैं और उनकी समस्याओं का समाधान पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता है। गोष्ठी सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई तथा पेंशनर्स द्वारा इस पहल की सराहना की गई।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक गांधी सभागार कलेक्ट्रेट अमरोहा में संपन्न हुई। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने शहरी व ग्रामीण मार्ग के मुख्य चौराहे और तिराहे पर प्रकाश की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और उन्होंने संबंधित को यह भी निर्देश दिए कि जनपद के जो दुर्घटना वाले खतरनाक पॉइंट्स हैं उन्हें अवश्य लगवाई जाए। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि जनपद के निजी अस्पतालों में संचालित एम्बुलेंस का नंबर और एंबुलेंस चालक के डी0एल0 की सूची बनाकर एक सप्ताह के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जिलाधिकारी ने जोया पर अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्यवाही करने की निर्देश दिए और आई-रिक्शाओं संचालन हेतु निर्धारित रोड मैप तैयार करने के भी निर्देश दिए। कुंमराला पर अत्यधिक दुर्घटना होने पर उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि वहां रॉन्ग साइड से आने वाले वाहनों को का चालान करें। गजरौला चौपला पर लगने वाले जाम के विषय में भी चर्चा हुई और इस समस्या को भी खत्म करने के लिए एनएच और ट्रेफिक पुलिस के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। एआरटीओ प्रवर्तन के द्वारा अवैध पार्किंग करने वाले वाहनों के लिए होल्डिंग स्टेशन की जगह की मांग करने पर जिलाधिकारी द्वारा अधिशासी अधिकारी नगरपालिका को इसके लिए स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर ए आर टी ओ प्रवर्तन महेश शर्मा, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, अनिल जग्गा सहित सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य और संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कर-करेत्तर एवं राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। डीएम ने निर्देश दिए कि विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होने वाले राजस्व की शत-प्रतिशत वसूली की जाए। डीएम ने भू राजस्व, परिवहन, स्टांप, आबकारी, खनिज, नगर निकाय, गन्ना, वाणिज्य कर, मंडी, सिंचाई, बांट माप, बैंक, विद्युत एवं अन्य विभिन्न विभागों के लक्ष्य के सापेक्ष वसूली की समीक्षा करते हुए कहा कि जो शासन द्वारा लक्ष्य निर्धारित किया जाए उसी के सापेक्ष सभी विभाग प्रगति प्राप्त करें इसके किये अभी से कायेयोजना बना ले। उन्होंने उप जिलाधिकारियों से कहा कि आरसी वसूली शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराएं। तहसीलदार वसूली पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि राजस्व वादों में दायरे के अनुसार निस्तारण सुनिश्चित कराएं। साथ ही पुराने वादों का प्राथमिकता से निस्तारण सुनिश्चित कराएं। सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया कि समय सीमा निर्धारित कर आरसी का मिलान कर विसंगतियां दूर करते हुए वसूली करें। जिलाधिकारी ने विद्युत, वानिकी, मंडी समिति, बाट माप विभाग, सिंचाई, खनिज, स्टाम्प एवं निबंधन और वाणिज्य कर की कम वसूली होने पर निर्देश दिए कि लक्ष्य के सापेक्ष अभियान चलाते हुए वसूली की जाए।

डीएम ने अवैध खनन व परिवहन पर प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई करने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग को अवैध कनेक्शन और बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह सहित समस्त एसडीएम, तहसीलदार और संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सरकार के आदेश के बाबजूद अभिभावकों की लुटाई

आदेश का पालन कराने में क्या असक्षम है शिक्षा विभाग

टांडा/रामपुर (सब का सपना):- बेसिक शिक्षा विभाग के कुछ जिम्मेदार अफसरों की मिलीभगत या फिर लापरवाही से ज्यादातर प्राईवेट स्कूलों के संचालक बच्चों के उज्जवल भविष्य का सपना दिखाकर अभिभावकों के खून पसीना की कमाई को लूट अपनी तिजोरियां भरने में जुटे हैं। नगर टांडा के भाजपा समर्थक समाजसेवी एवं उधोग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश सचिव निलेश कुमार वर्मा ने अपने निवास पर "सब का सपना " की टीम को दिए साक्षात्कार में उक्त विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे स्कूलों में बच्चों को उच्च शिक्षा दिए जाने के नाम पर अभिभावकों से भिन्न भिन्न सुविधा प्रदान किए जाने का ढिंढोरा पीट बेहिसाब रुपया वसूला जा रहा है और अभिभावक लुटने के लिए बेबस है। उनका कहना रहा कि सरकार के आदेश की धज्जियां उडाने के बाबजूद शिक्षा विभाग की आंखों पर पट्टी बंधी हुई क्यों है,यह समझ से परे है। निलेश कुमार वर्मा का साफ शब्दों में कहना

रहा कि स्कूलों में सरकार के आदेश के मुताबिक एनसीआरटी किताबें पढना जरुरी है तो आखिर किसके दम पर प्राइवेट स्कूलों में इस आदेश का पालन नहीं हो पा रहा है और शिक्षा विभाग सरकार के आदेश के अनुपालन में आदेश की धज्जियां उडाने वाले स्कूलों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही नहीं कर पा रहा है। उन्होंने दावा किया कि निरिक्षण किया जाए तो ज्यादातर प्राईवेट स्कूल मान्यता के लिए जरूरी मानक भी पूरा नहीं करते हैं फिर भी विभाग में पंजीकृत होने का दावा करते हैं। बच्चों को घर से स्कूल और स्कूल से घर बच्चों को लाने और वापस घर छोडने के लिए तिपहिया, चौपहिया और बसें लगा रखी हैं लेकिन क्या नियमानुसार आरटीओ आफिस में इन वाहनों की सूची अंकित कराई हुई है, क्या ऐसे वाहन मानकों को पूरा करते हैं,न तो इस ओर शिक्षा विभाग ध्यान देता है और न ही पुलिस, जबकि इनका सडक से ही आना जाना होता है। कई बार ऐसे वाहनों के दुर्घटना ग्रस्त होने से बच्चों का जीवन खतरे में पड चुका है लेकिन न अभिभावक ध्यान देते हैं और न ही स्कूल संचालक जबकि ध्यान देना चाहिए। अंत में उनका कहना रहा कि सरकार वास्तव में ही प्राईवेट स्कूलों में लुट रहे अभिभावकों को राहत प्रदान करना चाहती है तो एक ही आदेश सख्ती से लागू करें कि अगर किसी भी प्राईवेट स्कूल में सरकार के आदेश के अनुरूप बच्चों को सिर्फ एनसीआरटी किताबें ही नहीं पढाई गयीं तो उस स्कूल संचालक के खिलाफ तो कार्यवाही होगी ही साथ ही स्कूल की मान्यता भी खत्म कर दी जाएगी तथा जिस क्षेत्र में स्कूल होगा उस क्षेत्र के शिक्षा विभाग के अधिकारी के खिलाफ भी सरकार के आदेश का अनुपालन न कराने के लिए कानूनी कार्यवाही की जाएगी। सवाल उठता है कि क्या ऐसा सरकार कर पाएगी।

संभल नगर पालिका में जनहित के उठे मुद्दे, नामित सभासद सय्यद शान अली ने दिए कई प्रस्ताव

संभल (सब का सपना):- जनपद के नगर पालिका परिषद, सम्भल में जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर नामित सभासद सय्यद शान अली ने अध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपकर कई आवश्यक प्रस्ताव बोर्ड के एजेण्डे में शामिल करने की मांग की है। अपने प्रार्थना पत्र में उन्होंने नगर पालिका कार्यालय की जर्जर होती ऐतिहासिक बिल्डिंग के संरक्षण और सौंदर्यकरण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह भवन अपनी पहचान खोता जा रहा है, जिसे संरक्षित कर आकर्षक रूप दिया जाना चाहिए।

इसके साथ ही उन्होंने नगर क्षेत्र में पत्रकारों के लिए प्रेस क्लब भवन के निर्माण की मांग भी उठाई, ताकि पत्रकारों को एक व्यवस्थित कार्यस्थल मिल सके।

एक अन्य प्रस्ताव में नगर पालिका परिषद के मैदान के सौंदर्यकरण, आम जनता के लिए बैठने हेतु बेंच, पौधारोपण, सेल्फी गार्डन और समुचित प्रकाश व्यवस्था कराने की मांग की गई है, जिससे नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं मिल सकें। वहीं, दूसरे प्रार्थना पत्र में सभासद ने जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने में हो रही भारी अव्यवस्थाओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया। उन्होंने बताया कि समय पर प्रमाण पत्र न मिलने से बच्चों के स्कूल में प्रवेश सहित कई जरूरी कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

उन्होंने व्यवस्था सुधार के लिए सुझाव दिया कि सभी आवेदनों को एक रजिस्टर में दर्ज किया जाए और प्रत्येक आवेदन को एक संदर्भ संख्या (रेफरेंस नंबर) दी जाए, जिससे उसकी स्थिति का आसानी से पता चल सके। साथ ही, वर्षों से लंबित पड़े आवेदनों की सूची बनाकर नियमानुसार प्रमाण पत्र जारी करने की भी मांग की गई। सभासद सय्यद शान अली ने कहा कि इन प्रस्तावों के लागू होने से नगर की व्यवस्था में सुधार होगा और आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी।

चंदौसी की बेटी उन्नति चौधरी बनीं मॉक संसद में संचार मंत्री, लखनऊ में दिखाया दम

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- केंद्र सरकार के विकसित भारत 2047 के संकल्प को नई ऊर्जा देने और नीति निर्माण में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ह्यमाई भारत बजट क्वेस्ट 2026ह्व एवं ह्यनारी शक्ति युवा संसदह्व का दो दिवसीय आयोजन 12 और 13 अप्रैल को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश भर से 1000 से अधिक युवाओं ने भाग लिया।

इस आयोजन में प्रदेश की 40 चयनित महिला प्रतिभागियों ने मॉक संसद में हिस्सा लिया, जिसमें 30 प्रतिभागियों ने मंत्री और 10 ने सांसद की भूमिका निभाई। सत्र पूरी तरह वास्तविक संसदीय प्रक्रियाओं पर आधारित रहा, जिसमें संरचित बहस, समयबद्ध भाषण और अंतिम मतदान (वॉइस वोट) शामिल रहे।

संभल जनपद के चंदौसी नगर क्षेत्र के मयूर विहार निवासी उन्नति चौधरी ने मॉक संसद में संचार मंत्री की भूमिका निभाते हुए अपने ओजस्वी और प्रभावशाली विचारों से सभी का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 का जोरदार समर्थन करते हुए महिला सशक्तिकरण के पक्ष में प्रभावी तर्क प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान एवं कैबिनेट मंत्री (महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार) बेबी रानी मौर्य मुख्य अतिथि रहीं। वहीं दूसरे दिन युवाओं को केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया से संवाद का अवसर मिला, साथ ही वर्चुअल पीएम इंटरेक्शन सत्र में भी सहभागिता की। मुरादाबाद मंडल के डिप्टी डायरेक्टर (माई भारत) अंकित कुमार गौर तथा संभल की नोडल अधिकारी डॉ. रीता सिंह ने उन्नति चौधरी की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बताया।

ट्यूबवेल पर सो रहे व्यक्ति की हत्या का खुलासा, पत्नी व समधी समेत दो गिरफ्तार

बहजोई/संभल (सब का सपना):- थाना धनारी क्षेत्र के गांव भिरावटी के जंगल में ट्यूबवेल पर सो रहे व्यक्ति का शव बुधवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने के मामले का पुलिस ने गुरुवार को खुलासा कर दिया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर घटना का पदार्फाश किया।

उन्होंने बताया कि जनपद में अपराधों की रोकथाम एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में थाना धनारी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले का खुलासा किया।

जांच में सामने आया कि मृतक नरेश पुत्र परमेश्वरी की पत्नी शीला के सत्यपाल पुत्र महावीर के साथ अवैध संबंध थे। दोनों ने मिलकर नरेश को रास्ते से हटाने की साजिश रची और उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को ट्यूबवेल पर छोड़ दिया गया, ताकि मामला संदिग्ध प्रतीत हो। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर आरोपी सत्यपाल (40) और शीला (38) को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है।

आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक मोबाइल, एक कीपैड मोबाइल, एक मोटरसाइकिल तथा हत्या में प्रयुक्त गमछा (आलाकत्ल) भी बरामद किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले में विधिक कार्रवाई पूरी कर आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

गैर जनपद स्थानांतरण पर एएसपी/सीओ आलोक कुमार को दी गई सम्मानित विदाई

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस लाइन बहजोई स्थित सभागार में एएसपी/सीओ सम्भल आलोक कुमार के गैर जनपद स्थानांतरण के उपलक्ष्य में एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर अधिकारियों ने आलोक कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके जनपद में किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। वक्ताओं ने उनके कार्यकाल को अनुकरणीय बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ किया।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए नए दायित्वों में सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

समारोह में उपस्थित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए आलोक कुमार के कार्यशैली की प्रशंसा की और उन्हें भावभीनी विदाई दी।

बाबा भोलेनाथ दरबार पर हनुमान सेवा, कालीचरण गायत्री परिवार का सराहनीय आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- क्षेत्र के गांव राजपुर स्थित बाबा भोलेनाथ के दरबार में धार्मिक एवं सेवा भाव से ओत-प्रोत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कालीचरण गायत्री परिवार बहजोई द्वारा हनुमान जी की सेवा करते हुए भक्ति, मानवता और परोपकार का अद्भुत संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि मनुष्य योनि में जन्म लेने का अर्थ केवल अपना जीवन यापन करना नहीं, बल्कि सभी जीव-जंतुओं की सेवा करना भी हमारा कर्तव्य और फर्ज है। इस संसार में हर जीव का हम पर ऋण होता है, जिसे सेवा और करुणा के माध्यम से ही चुकाया जा सकता है। इसी भावना को लेकर आयोजन में हनुमान जी को प्रसाद अर्पित किया गया और श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद भोज का वितरण किया गया।

कालीचरण बहजोई ने अपने उद्बोधन में कहा कि सेवा ही सच्चा धर्म है और परमार्थ के कार्यों से ही जीवन सफल बनता है। उन्होंने कहा कि दान दिए न धन घटे, नदी न सांचे नीर, परमार्थ के करने साधुन धरा शरीर जैसे प्रेरणादायक वचनों के माध्यम से समाज को सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और धार्मिक माहौल में भक्ति एवं सेवा का आनंद लिया। उपस्थित लोगों ने इस प्रकार के आयोजनों को समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायक बताया और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

पुलिस की एण्टी रोमियों टीमों द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति जागरूकता अभियान

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन एवं नोडिल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह, क्षेत्राधिकारी चन्दौसी व सहायक नोडल मिशन शक्ति अभियान दीपक कुमार के नेतृत्व में गुरुवार को जनपद की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया ।

महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है।

साथ ही मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों व कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया ।

गांव गांव जाकर डॉ भीमराव अम्बेडकर जयंती समाजवादियों ने बड़े ही धूमधाम से मनाई

बुलंदशहर (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी जिला बुलन्दशहर सैक्टर स्तर पर गांव स्तर पर सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर जयंती को पीडीए संकल्प दिवस के रूप में बड़े धूमधाम से मनाया गया गांव धमरावली चावली ग्यासपुर छज्जू गढ़ी नीमखेड़ा अहमदपुर बसेंदुआ भटौला भटवारा फतेहपुर बुजुर्ग नगला पेंठ आदि गांवों में पीडीए समाज को जागरूक किया गया 2027 में समाजवादी पार्टी पीडीए नायक अखिलेश यादव जी को विजई बनाकर सरकार बनाने के लिए संकल्प लेते सभी ने मंच से अपने अपने विचार व्यक्त किए

कार्यक्रम प्रभारी चौधरी चन्द्रपाल सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष समाजवादी मजदूर सभा कार्यक्रम संयोजक उत्कर्ष जाटव, समिता सिंह जाटव जिला अध्यक्ष बुलन्दशहर महिला सभा रामकुमार यादव जिला अध्यक्ष बुलन्दशहर समाजवादी मजदूर सभा चौधरी सौनी जिला सचिव अमित त्यागी जिला सचिव आदि मौजूद रहे।

पूर्व कैबिनेट मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी का भव्य स्वागत, सैकड़ों ने ली पार्टी की सदस्यता

बुलन्दशहर (सब का सपना):- पूर्व कैबिनेट मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी का ग्रीन इंडिया फार्म हाउस, बुलंदशहर में जिलाध्यक्ष मतलूब अली के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकताओं और पदाधिकारियों की उपस्थिति ने आयोजन को उत्साहपूर्ण बना दिया। स्वागत समारोह के उपरांत सिद्दीकी ने प्रेस को संबोधित करते हुए संगठन को मजबूत करने और जनहित के मुद्दों पर सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कार्यकताओं से एकजुट होकर पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान हरेन्द्र चौधरी, संजीव तोमर, विकास चौधरी, डॉ. राजेश, पवन प्रधान, दीपक चौधरी, नरेन्द्र सिंह लोधी, विनोद सैनी, नन्हें सिंह सैनी, ब्रिजेश सिंह लोधी, मदन लाल सैनी, कलवा सिंह लोधी, अजय कुमार लोधी, सुभाष लोधी, लव कुमार लोधी सहित सैकड़ों लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

इस अवसर पर जिला महासचिव कृष्णपाल यादव, जितेन्द्र यादव, होशियार सिंह, महेन्द्र वाल्मीकि, अनिल चरौरा, बादल यादव, प्रेमवीर यादव, हाजी अख्तर, सीओ भरत सिंह, देवराज नागर, विवेक गौतम, समिता जाटव, वर्षा प्रधान, शालिनी वर्मा, संदीप राघव, कौशल नगर, योगेश प्रधान, रनवीर अधाना, जाकिर उर्फ बबलू, राजकुमार टीटू, शकील अहमद, रामकिशोर लोधी, शिवाजी यादव, राजकुमार बघेल, अनार सिंह चौधरी सहित सैकड़ों नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केन्द्रीय माध्यमिक बोर्ड परीक्षा (सत्र 2025-2026) कक्षा 10 का परिणाम घोषित किया गया

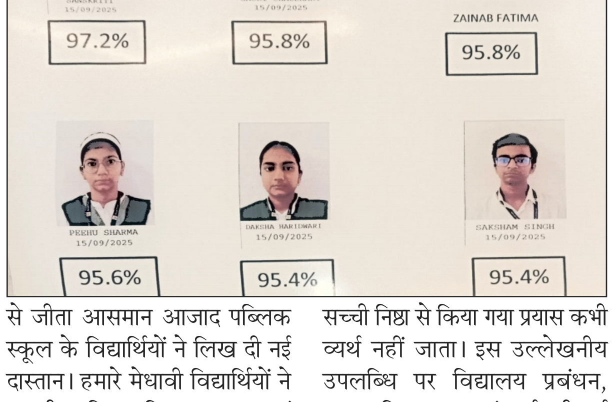

बुलंदशहर (सब का सपना):- माध्यमिक बोर्ड परीक्षा (सत्र 2025-2026) कक्षा 10 का परिणाम घोषित किया गया। जिसमें आजाद पब्लिक स्कूल की छात्रा संस्कृति ने 97.2, गौरी चैधरी 95.8, जैनब फातिमा 95.8, पीहू 95.6, सक्षम सिंह 95.4, दक्षा हरिद्वारी 95.4 प्रतिषत अंक प्राप्त कर असाधारण एवं अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा। परीक्षा का परिणाम देखकर विद्यालय के चेयरमैन वासिक आजाद, प्रेसिडेंट शारिक आजाद्र ने कहा कि अक्षरों से जीता आसमान आजाद पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने लिख दी नई दास्तान। हमारे मेधावी विद्यार्थियों ने अपनी कठिन परिश्रम, लगन एवं समर्पण से यह सिद्ध कर दिया है कि सच्ची निष्ठा से किया गया प्रयास कभी व्यर्थ नहीं जाता। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन, समस्त शिक्षकगण एवं कर्मचारी वर्ग ने अपने होनहार विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी।

विद्यालय प्रधानाचार्या शिल्पी सिंह ने इस अवसर पर कहा कि हमारे बच्चों की यह सफलता केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, अपितु यह पूरे विद्यालय परिवार की साझी खुशी है। इन्होंने अपने माता-पिता, गुरुजनों एवं विद्यालय की अपेक्षाओं पर खरे उतरकर हम सबका सिर ऊँचा किया है। विद्यालय अपने समस्त सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है तथा उनके माता-पिता एवं अभिभावकों को भी इस गौरवशाली क्षण पर हार्दिक बधाई देता है। यह परिणाम हमारे विद्यालय की शिक्षण गुणवत्ता एवं समर्पित शिक्षकों के अथक प्रयासों का प्रतिफल है।

बिजली विभाग के खिलाफ जन आक्रोश

6 दिन बाद भी नहीं बदला ट्रांसफार्मर लोग अंधेरे में रहने को मजबूर

बीबीनगर/बुलंदशहर (सब का सपना):- बिजली का ट्रांसफार्मर न बदले जाने से लोगों में विभाग के प्रति आक्रोश पनपा रहा है। आपको बता दे कि ब्लाक बीबीनगर के अन्तर्गत गांव चितसोना के मैन बाजार में लगे ट्रांसफार्मर में लगभग 6 दिन पहले आग लग गई थी, जिससे अंधेरे में लोग रहने को मजबूर हैं, इतना ही नहीं रात्रि में सुरक्षा को लेकर जहां लोग चिंतित हैं वहीं मच्छरों से परेशान हैं,बढती गर्मी से बुरा हाल है वहीं पूरी रात मच्छरों से जंग लडनी पडती है, विभाग के संज्ञान में समस्या होने के बाद भी समस्या के समाधान को लेकर विभाग गंभीर नहीं है। लोगों का कहना है कि शायद विभाग के अधिकारियों की मनमानी के खिलाफ आंदोलनात्मक कदम उठाना ही पड़ेगा, जब कि संविदाकर्मी बिजली कर्मचारियों ने, ट्रांसफॉर्म के कुछ उपभोक्ताओं को दूसरे ट्रांसफॉर्म से लाइन देकर बिजली की आपूर्ति कर दी है।

हालांकि जब इस विषय में बिजली विभाग के जेई से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मामला संज्ञान में है बहुत जल्द ट्रांसफॉर्म बदलवा दिया जाएगा।

स्मार्ट मीटर और प्रीपेड बिजली व्यवस्था के विरोध में स्योहारा बिजली घर पर महिलाओं का हंगामा

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- स्मार्ट मीटर और प्रीपेड बिजली व्यवस्था के विरोध में स्योहारा बिजली घर पर महिलाओं का हंगामा लगातार चर्चा में बना हुआ है। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौके पर मौजूद रहे और महिलाओं का समर्थन किया।

प्रदर्शन में शबाना, रूबी, ताहिरा, रायसन, तरन्नुम, अफसाना, रोशन, कुलसुम, खेरुनिशा, साइमा के साथ-साथ सलीम (सफियाबाद), साजिद, दानिश, रिहान, मोहम्मद, मौ. जैद, डॉ. रुकमुद्दीन, अहमदुल्लाह, मोहम्मद शौकीन सहित कई लोग शामिल रहे।

महिलाओं ने बिजली बिल अधिक आने और रिचार्ज सिस्टम को लेकर उत्पीड़न का आरोप लगाया और स्मार्ट मीटर हटाने की मांग की।

हंगामे के बाद मौके पर पहुंचे बिजली विभाग के कर्मचारियों ने संबंधित अधिकारियों के साथ शांतिपूर्वक वार्ता की। कर्मचारियों ने आश्वासन दिया कि जल्द ही समस्या का समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा।

शेरकोट में महिला डॉक्टर के क्लिनिक पर देर रात दबिश का आरोप, डीएम ने दिए सख्त कार्रवाई के संकेत

नोडल अधिकारी डॉ. केपी सिंह समेत अन्य पर आरोप, सीसीटीवी फुटेज के साथ डीएम-सीएमओ से शिकायत, लखनऊ तक पहुंचा मामला

बिजनौर (सब का सपना):- शेरकोट नगर में एक महिला डॉक्टर द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के बाद प्रशासनिक और स्वास्थ्य विभाग में हलचल तेज हो गई है। पीड़िता ने देर रात अपने क्लिनिक पर पहुंचे कुछ व्यक्तियों पर अभद्र व्यवहार, दबाव बनाने और पैसों की मांग करने के आरोप लगाए हैं।

मोहल्ला फतेहनगर, पोस्ट शेरकोट निवासी डॉ. सना खान (पत्नी डॉ. फैजान) ने जिलाधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 15 अप्रैल 2026 की रात करीब 10:30 बजे उनके क्लिनिक पर एक कार आकर रुकी, जिसमें से तीन व्यक्ति उतरे। आरोप है कि इन लोगों ने क्लिनिक खुलवाकर कागजात मांगे।

पीड़िता के अनुसार, पूछताछ के दौरान एक व्यक्ति ने स्वयं को नोडल अधिकारी (क्वैक्स) डॉ. केपी सिंह बताया। उनके साथ दो अन्य लोग भी मौजूद थे। आरोप है कि कागजात दिखाने के बावजूद उन्होंने उनके पति को रात में ही बुलाने का दबाव बनाया और मना करने पर अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया, जिससे वह भयभीत हो गईं।

प्रार्थना पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि संबंधित व्यक्तियों ने कथित रूप से कहा कि उन्हें डॉ. असलम द्वारा भेजा गया है तथा पैसों को लेकर भी दबाव बनाया गया।

पीड़िता ने इस पूरे घटनाक्रम की सीसीटीवी फुटेज भी प्रशासन को उपलब्ध कराई है, जिसे जांच में अहम साक्ष्य माना जा रहा है। पीड़ित शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने पहले जिलाधिकारी जसजीत कौर से मिलकर शिकायत दर्ज कराई। डीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। शिकायतकर्ता का यह भी कहना है

डीएम द्वारा नोडल अधिकारी (क्वैक्स) डॉ. केपी सिंह को पद से हटाने और अन्य आरोपितों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया है। इसके बाद पीड़िता ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) को भी प्रार्थना पत्र सौंपा। मामले की गंभीरता को देखते हुए पीड़िता ने दोनों प्रार्थना पत्र और सीसीटीवी फुटेज की वीडियो स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक, लखनऊ को भी भेज दी है, जिससे अब यह मामला उच्च स्तर तक पहुंच गया है।जब लिखित शिकायत और सीसीटीवी सबूत मौजूद हैं, तो क्या प्रशासन जल्द सख्त कार्रवाई करेगा?

फिलहाल मामला गंभीर आरोपों से जुड़ा होने के कारण प्रशासनिक स्तर पर जांच जारी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही पूरे प्रकरण की वास्तविकता सामने आएगी।

तत्काल कार्रवाई की मांग:- सबूत भी मौजूद

देर रात क्लिनिक पर पहुंचकर कथित दबाव और अभद्रता का आरोप नोडल अधिकारी (क्वैक्स) डॉ. केपी सिंह सहित अन्य के नाम प्रार्थना पत्र में दर्ज पैसों की मांग और धमकी जैसे गंभीर आरोप पूरी घटना सीसीटीवी फुटेज में कैद जिलाधिकारी ने दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई का दिया आश्वासन नोडल अधिकारी को पद से हटाने और अन्य पर सख्त कार्रवाई की बात

पंचायत सहायकों ने उपजिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन सौंपकर जनगणना ड्यूटी अपनी ग्राम पंचायतों में ही लगाए जाने की मांग

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनगणना ड्यूटी को लेकर पंचायत सहायकों में असंतोष देखने को मिल रहा है। इस संबंध में पंचायत सहायकों ने उपजिलाधिकारी धामपुर को प्रार्थना पत्र सौंपकर अपनी ड्यूटी ग्राम पंचायतों में ही लगाए जाने की मांग की है।

प्रार्थना पत्र में पंचायत सहायकों ने बताया कि वे अपनी-अपनी ग्राम पंचायतों में कार्यरत हैं और पूर्व में उन्हें आश्वासन दिया गया था कि जनगणना ड्यूटी भी उनकी संबंधित ग्राम पंचायतों में ही लगाई जाएगी। लेकिन 16 अप्रैल को उनकी ड्यूटी नगर पालिका शेरकोट में लगा दी गई, जो कई कर्मचारियों के लिए 25 से 30 किलोमीटर दूर है।

पंचायत सहायकों का कहना है कि उन्हें मात्र 6000 रुपये मानदेय मिलता है, जो समय पर भी नहीं मिल पाता। ऐसे में इतनी दूरी तय कर ड्यूटी करना उनके लिए आर्थिक और व्यावहारिक रूप से कठिन है।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि ड्यूटी ग्राम पंचायतों में लगाई जाती है तो जनगणना कार्य अधिक पारदर्शी और सुगम तरीके से संपन्न हो सकेगा।

पंचायत सहायकों ने उपजिलाधिकारी से मांग की है कि उनकी ड्यूटी नगर पालिका शेरकोट से हटाकर उनकी-अपनी ग्राम पंचायतों में ही लगाई जाए, ताकि वे बेहतर ढंग से अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

बीआर अंबेडकर साप्ताहिक सद्भावना मेले कार्यक्रम का हुआ समापन

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना) चंद्रपाल सिंह:- जनपद के नगर स्याना में डॉ भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति के तत्वाधान में चल रहे साप्ताहिक सद्भावना मेले के कार्यक्रम का समापन खुशनुमा माहौल में हुआ। समापन कार्यक्रम के दौरान नगरपालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष नंदराम जाटव सपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता सब्बू चौधरी व भाजपा मंडल अध्यक्ष संदीप त्यागी को सम्मानित किया गया। विभिन्न आयोजनों में मनोयोग के साथ कार्य करने वाले उत्साही युवाओं को भी स्मृति चिह्न आदि देकर सम्मानित किया गया। समिति अध्यक्ष आशीष कुमार पत्रकार तथा समिति पदाधिकारीयों के अथक परिश्रम से साप्ताहिक कार्यक्रम दर्शनीय रहा।

बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के अनुयायियों के साथ-साथ सर्व धर्म सर्व जाति वर्ग के नागरिकों ने दर्शनीय रहे उपरोक्त आयोजन की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। संगीत संध्या, रन फॉर अंबेडकर, फ्री हेल्थ एक शाम बाबा नाम कार्यक्रम, महात्मा फुले जी की जयंती जैसे अनेक कार्यक्रम प्रशंसा के केंद्र रहे। फ्री हेल्थ कैंप में निःशुल्क नेत्र जाँच व इलाज, ईसीजी जाँच, मोतियाबिन्द जाँच, शुगर की जाँच, काले मोतियाबिन्द की जाँच कर बुजुर्गो को आँखो के चश्में दिए गए। रेटीना एंव कॉर्निया का परीक्षण भी सफलतापूर्वक किया गया। दवाईयों का वितरण चिकित्सकों की सलाह पर किया गया। डॉ राहुल (डायरेक्टर महालक्ष्मी हॉस्पिटल आई केयर एंड ट्रॉमा सेंटर), डॉ शिवानी स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ संदीप मलिक, सहयोग से असंख्य रोगियों ने स्वास्थ्य लाभ उठाया। अध्यक्ष आशीष कुमार, रामबाबू जाटव, कोषाध्यक्ष मास्टर हरकेश सिंह,देवानंद गौतम, अरविंद कुमार पंकज विमल, पूर्व चेयरमैन प्रत्याशी जयप्रकाश सिंह,विटटू गौतम , डॉ नितिन उर्फ गोलू, अंकुश कुमार, मास्टर हरकेश सिंह, रज्जन कुमार, संदीप कुमार, सुशील कुमार अंकुश सहित समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम में दायित्व निर्वहन किया। समिति अध्यक्ष आशीष कुमार ने सभी के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

97.4% अंक के साथ गुरप्रीत कौर टॉपर, स्कूल का रिजल्ट रहा शत-प्रतिशत

बोर्ड परीक्षा में नैनीताल कॉन्वेंट का दबदबा, छात्रों ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

अफजलगढ़/ बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र के नैनीताल कॉन्वेंट स्कूल, अगवानपुर (अफजलगढ़) ने एक बार फिर शैक्षिक उत्कृष्टता की मिसाल पेश करते हुए सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में शानदार परिणाम हासिल किया है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम इस वर्ष भी शत-प्रतिशत रहा, जिससे न केवल स्कूल बल्कि पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया कि मेहनत, अनुशासन और सही मार्गदर्शन से सफलता निश्चित है। इस वर्ष की परीक्षा में छात्रा गुरप्रीत कौर (पुत्री अंग्रेज सिंह, ग्राम रामनगर गोसाई) ने 97.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार व गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। वहीं अंशिका गुप्ता (पुत्री प्रदीप गुप्ता, निवासी अफजलगढ़) ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। शगुनप्रीत कौर (पुत्री जसवंत सिंह, निवासी कादराबाद) ने 94 प्रतिशत अंक हासिल कर तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि ऋषभ शर्मा (पुत्र राजन शर्मा, निवासी कालागढ़) ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं ने भी अच्छे अंक प्राप्त कर सफलता का परचम लहराया, जिससे विद्यालय का समग्र परिणाम 100 प्रतिशत रहा। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। सफल छात्र-छात्राओं का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया और मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया गया। वही विद्यालय प्रबंधक सूर्यकांत सिंह ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ छात्रों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। वही प्रधानाचार्या रचना चौहान ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह परिणाम पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है और आगे भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखने के लिए सभी को प्रेरित करेगा। विद्यालय के शानदार परीक्षा परिणाम से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है और अभिभावकों में विद्यालय के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है।

महिलाओं ने निकाली धन्यवाद मोदी रैली, नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए जताया आभार, लगाए नारे

बिजनौर (सब का सपना):- नारी शक्ति वंदन अधिनियम कार्यक्रम के तहत एक रैली का आयोजन किया गया। इसमें महिलाएं, स्कूली छात्राएं और शिक्षिकाएं शामिल थीं। रैली के माध्यम से महिलाओं ने प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया और नारी सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यह रैली नारी सम्मान, आत्मनिर्भरता और सशक्त भागीदारी का संदेश लेकर निकली। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं और छात्राओं ने समाज को यह संदेश दिया कि महिलाएं अब हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने में सक्षम हैं। रैली के दौरान 'नारी शक्ति - राष्ट्र शक्ति' जैसे नारे लगाए गए, जिससे पूरा नगर गूंज उठा।

रैली का शुभारंभ बिजनौर स्थित इंदिरा बाल भवन से हुआ। यह नुमाइश ग्राउंड चौक, जजी चौक और शक्ति सिविल लाइन मार्ग से होते हुए नगर पालिका परिषद पर समाप्त हुई। मार्ग में लोगों ने रैली का स्वागत किया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद बिजनौर की अध्यक्ष इंद्रा सिंह, महिला आयोग सदस्य संगीता जैन, मंजू चौधरी, कविता चौधरी और हरजिंदर कौर सहित कई गणमान्य महिलाएं उपस्थित थीं।

उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को राजनीतिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी महिलाओं के अधिकार, सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर ऐसे जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत:शव पोस्टमार्टम को भेजा

बिजनौर (सब का सपना):- नजीबाबाद क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार धर्मेंद्र सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना गुरुवार को बसी गांव के पास हुई। पुलिस के अनुसार, धर्मेंद्र नजीबाबाद से अपने घर बढ़ापुर जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। घायल धर्मेंद्र को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 38 वर्षीय धर्मेंद्र सिंह पुत्र शुभ राम सिंह, निवासी गांव जमालपुर ठीकली, थाना बढ़ापुर, जनपद बिजनौर के रूप में हुई है।

मृतक के परिजनों ने बताया कि धर्मेंद्र नजीबाबाद में काम से गए थे और बाइक से अपने घर लौट रहे थे। उनकी शादी को करीब 14 साल हो चुके थे और उनके दो बच्चे हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीबीएसई रिजल्ट में एलिंगुवा पब्लिक स्कूल का शानदार प्रदर्शन

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना:- सीबीएसई हाईस्कूल परीक्षा परिणाम में एलिंगुवा पब्लिक स्कूल, किसौला ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए शत-प्रतिशत सफलता हासिल कर क्षेत्र में अपना परचम लहरा दिया। विद्यालय के छात्र शिवा दलाल ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर टॉप किया और स्कूल का नाम रोशन किया। इस परीक्षा में अनन्या त्यागी ने 96 प्रतिशत अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि कनिक ने 95 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा कृष्टि ने 93% आदि त्यागी ने 92.2%, लक्षिका ने 91% तथा शार्दूल ने 90% अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

बुधवार को जैसे ही सीबीएसई द्वारा परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, विद्यार्थियों में खुशी की लहर दौड़ गई। छात्र-छात्राएं अपना परिणाम देखते ही उत्साह से झूम उठे और एक-दूसरे को बधाई दी।

विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश कुमार ने बताया कि इस वर्ष भी हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा, जो विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग को दिया।

वहीं विद्यालय के चेयरमैन विपिन त्यागी ने सभी सफल विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि एलिंगुवा परिवार निरंतर परिश्रम और समर्पण के बल पर नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। कहा, कि एलिंगुवा स्कूल ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों निखारकर शहर के बच्चों की बराबरी में लाकर खड़ा करने का सफल प्रयास कर रहा है। विद्यालय प्रबंधन ने शीघ्र ही सभी मेधावी छात्रों को सम्मानित करने की घोषणा की है। इस शानदार परिणाम से विद्यार्थियों और अभिभावकों में खासा उत्साह और गर्व का माहौल बना हुआ है।

योगी सरकार का 'सर्वोदय मॉडल' हिट, 10 हजार सीटों के लिए 68 हजार दावेदार; प्राइवेट स्कूलों को दे रहे मात

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में सरकारी स्कूलों की सूरत और सीरत दोनों तेजी से बदल रही है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सर्वोदय विद्यालयों में देखने को मिला है, जहाँ सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश का अभूतपूर्व उत्साह नजर आ रहा है। कभी प्राइवेट स्कूलों के मुकाबले कमजोर विकल्प माने जाने वाले ये विद्यालय आज अभिभावकों की पहली पसंद बन चुके हैं। प्रदेश की सुधरी शिक्षा व्यवस्था का ही असर है कि ग्रामीण ही नहीं, बल्कि शहरी क्षेत्रों के लोग भी अपने बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए सर्वोदय विद्यालयों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

रिकॉर्ड आवेदनः एक सीट के लिए सात छात्रों में होड़ यूपी में वर्तमान में 103 सर्वोदय विद्यालय (70 बालक और 33 बालिका विद्यालय) संचालित हैं। आंकड़ों की जुबानी देखें तो इस बार 10,790 सीटों के लिए रिकॉर्ड 68,780 छात्र-छात्राओं ने आवेदन किया है। यह संख्या कुल उपलब्ध सीटों से लगभग 7 गुना अधिक है, जो दशार्ता है कि सरकार के प्रयासों से जनता का सरकारी शिक्षण व्यवस्था में विश्वास कई गुना मजबूत हुआ है। गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई

और अनुशासित माहौल ने इन स्कूलों को एक 'ब्रैंड' के रूप में स्थापित कर दिया है। प्रवेश के लिए उपलब्ध सीटों का विवरण भी काफी विस्तृत है। बालक वर्ग के लिए कुल 7,452 सीटें निर्धारित हैं, जिसमें कक्षा 6 से 9 तक के लिए आवेदन मांगे गए हैं। वहीं, बालिकाओं के लिए कुल 3,338 सीटें आरक्षित की गई हैं। आवेदन करने वालों में भी गजब का उत्साह दिखा है; जहाँ 44,743 बालकों ने फॉर्म भरा है, वहीं 24,037 बालिकाओं ने भी प्रवेश के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। सबसे अधिक प्रतिस्पर्धा कक्षा-6 के लिए देखी जा रही है, जहाँ बालक और बालिका दोनों वर्गों में हजारों की संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं।आधुनिक संसाधन और समग्र विकास पर जोर

समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इन विद्यालयों को आधुनिक संसाधनों और आवासीय सुविधाओं से लैस किया गया है। यहाँ केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास और अनुशासन पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी छात्रों के लिए सर्वोदय विद्यालय आज एक ऐसे मजबूत मंच के रूप में उभरे हैं, जहाँ उन्हें न केवल बेहतर शिक्षा मिल रही है, बल्कि आगे बढ़ने के समान अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं।

जंगल में शेर एक ही होता है

हरियाणा सीएम नायब सैनी की पत्नी सुमन आखिर क्यों बोलीं ऐसा

करनाल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की पत्नी सुमन सैनी ने बुधवार को करनाल में आयोजित नारी शक्ति वंदन पदयात्रा कार्यक्रम के दौरान अपने हल्के-फुल्के, लेकिन चर्चित बयान से माहौल को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचीं सुमन सैनी से मंच संचालक ने अनौपचारिक अंदाज में सवाल किया कि घर में किसकी चलती है? इस पर उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया जहां चलाने की बात होती है, वहां 100 प्रतिशत चलती है और जहां चलानी नहीं होती, वहां चुप भी रहना पड़ता है, क्योंकि जंगल में शेर एक ही होता है।

नारी शक्ति वंदन पदयात्रा में बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने पैदल चलकर कार्यकताओं का मनोबल बढ़ाया। इस दौरान कुछ देर के लिए उन्होंने हेलमेट पहनकर स्कूटी भी चलाई। हरियाणा बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने कहा नारी शक्ति वंदन पदयात्रा सिर्फ एक पदयात्रा नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के सम्मान, अधिकार और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए एक जन आंदोलन है। यह सिर्फ एक कानून नहीं है, बल्कि यह महिलाओं को नीति की लाभार्थी से नीति की निमार्ता बनाने की ओर एक मजबूत कदम है।

हरियाणा नगर निगम चुनाव में सुप्रीम कोर्ट आरक्षण की अधिसूचना बरकरार, चुनौती देने वाली याचिका खारिज

पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट ने नगर निगम चुनाव में एससी आरक्षण अधिसूचना को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। याचिकाकताओं ने सीटों के निर्धारण के लिए जनगणना के बजाय फैमिली इंफॉर्मेशन डेटा रिपॉजिटरी (एफआईडीआर) के उपयोग पर सवाल उठाया था।

चंडीगढ़। हरियाणा में नगर निगमों के चुनाव को लेकर जारी आरक्षण अधिसूचना को चुनौती देने वाली याचिका को हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता कोई आंकड़ा पेश नहीं कर पाया व चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद हस्तक्षेप सीमित है। पंचकूला निवासी ऊषा रानी सहित अन्य याचिकाकताओं द्वारा दाखिल याचिका में अधिसूचना को असंवैधानिक और अधूरी बताते हुए इसे रद करने की मांग उठाई थी। याचिकाकताओं की ओर से दलील दी गई कि राज्य सरकार ने केवल अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों की अधिसूचना जारी की, जबकि अन्य श्रेणियों सामान्य वर्ग और पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण का विवरण उसी अधिसूचना में शामिल नहीं किया गया। याचिका में यह भी तर्क रखा गया कि 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर सभी श्रेणियों के लिए सीटों का निर्धारण एक साथ किया जाना चाहिए था। अलग-अलग चरणों में आरक्षण तय करना चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और वैधानिकता पर प्रश्न खड़े करता है।याचिकाकताओं ने राज्य सरकार की उस प्रक्रिया को भी चुनौती दी है, जिसमें जनगणना आंकड़ों की बजाय फैमिली इन्फार्मेशन डेटा रिपाजिटरी (एफआइडीआर) के आधार पर सीटों का निर्धारण और आरक्षण किया गया है।हालांकि, सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने कहा कि एक बार चुनाव से संबंधित अधिसूचना जारी हो जाने के बाद न्यायालय के हस्तक्षेप की गुंजाइश बेहद सीमित रह जाती है। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि डी-लिमिटेशन या आरक्षण से संबंधित आपत्तियां पूरी तरह से नहीं भी सुनी गई हों, तब भी यह याचिका का आधार नहीं बनता। पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 243 का हवाला देते हुए कहा कि चुनावी मामलों में अदालतों का दखल स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित है। इसी के साथ हाई कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया।

फॉर्म-6 की डेडलाइन बढ़ी, निजी स्कूलों को आखिरी मौका... 535 स्कूलों का काम अभी भी लंबित

चंडीगढ़ः निजी स्कूलों को फॉर्म-6 जमा करने के लिए शिक्षा विभाग ने 2026-27 सत्र के लिए फीस डिटेल अपडेट करने की अंतिम तिथि अब 21 अप्रैल 2026 रात 11:59 बजे तक बढ़ा दी है। अभी तक कुल 9230 निजी स्कूलों में से 8695 स्कूलों (करीब 94.20 फीसदी) ने अपनी जानकारी पोर्टल पर दी है, लेकिन अभी भी 535 स्कूलों का काम लंबित है। इन्हीं स्कूलों को ध्यान में रखते हुए यह अंतिम मौका दिया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया कि इसके बाद कोई और मौका नहीं मिलेगा। जो स्कूल तय समय तक फॉर्म 6 जमा नहीं करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। इसमें एमआईएस पोर्टल की एक्सेस बंद करना और फीस रेगुलेशन लागू करना शामिल है। आईटी सेल को भी निर्देश दिए कि पोर्टल तय समय तक चालू रखा जाए।

खेतों में आग का तांडवः अवशेष में लगी आग फसल तक पहुंची... किसान जिंदा जला

सोनीपतः गेहूं की कटाई के बाद अवशेषों में आग के केस बढ़ने लगे हैं। गांव ककरोई में खेतों में लगी आग को बुझा फसल बचाने की कोशिश में एक किसान उमेद सिंह (65) की मौत हो गई। थाना सदर पुलिस की जांच में सामने आया है कि उमेद सिंह बुधवार खेतों की तरफ गए थे। उन्होंने देखा कि उनके खेत के पास फसल कटने के बाद बचे अवशेषों में आग लगी है। आग गेहूं की फसल की तरफ बढ़ रही थी। उन्होंने उसको बुझाने का प्रयास किया लेकिन हवा तेज होने के चलते आग बढ़ती गई।आसपास के किसान भी मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक उमेद सिंह आग के बीच फंस चुके थे। कुछ ही मिनटों में वे खेत में ही जिंदा जल गए। बाद में खरखौदा से पहुंची अग्निशमन विभाग की गाड़ी ने आग बुझाई। ग्रामीणों ने बताया कि उमेद सिंह दो बेटियों के पिता थे। दोनों की शादी हो चुकी है। उनकी मौत के बाद लोगों ने बिना किसी कानूनी कार्रवाई के अंतिम संस्कार कर दिया।

पानीपत में ट्यूशन पढ़ने गया था छात्र, नहर किनारे स्कूटी-बैग और लाइसेंसी रिवाल्वर बरामद; इलाके में सनसनी

समालखा। दिल्ली पैरलल नहर सड़क पर नामुंडा और ढोडपुर गांव के बीच बुधवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में 12वीं के एक छात्र की स्कूटी, बैग और लाइसेंसी रिवाल्वर लावारिश हालत में मिलने से सनसनी फैल गई। छात्र हिमांशु मंगलवार शाम से लापता है और उसका मोबाइल फोन रात करीब आठ बजे से बंद है। गोताखोरों की मदद से उसकी तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार, जयहिंद काम्प्लेक्स निवासी अनिल का साढ़े 17 वर्षीय बेटा हिमांशु मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे मॉडल टाउन स्थित कोचिंग सेंटर में गणित और अंग्रेजी की ट्यूशन पढ़ने गया था, लेकिन देर शाम तक घर नहीं लौटा। स्वजनों ने काफी तलाश की, मगर उसका कोई सुराग नहीं लगा। बुधवार सुबह एक राहगीर ने डायल-112 पर सूचना दी कि नहर किनारे एक स्कूटी, बैग और रिवाल्वर लावारिश हालत में पड़े हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी दीपक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जांच में स्कूटी और बैग हिमांशु के पाए गए।बैग में किताबें, कापी, पेन और चश्मा मिला। वहीं झाड़ियों में पड़ी रिवाल्वर भी उसके पिता की लाइसेंसी निकली। पुलिस के मुताबिक रिवाल्वर मेकं दो कारतूस के खाली खोल मिले हैं, जबकि बैग से चार जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं।हालांकि, फायरिंग कहां व कब हुई, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। परिजनों का कहना है कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं कि हिमांशु घर से रिवाल्वर कब और कैसे ले गया।

पानीपत में बढ़ती गर्मी के साथ आगजनी की घटनाएं बढ़ी, बिजली विभाग की लापरवाही से शाहपुर में 1 एकड़ गेहूं की फसल खाक

पानीपत। जिले और कस्बे में तापमान बढ़ने के साथ आगजनी की घटनाएं भी बढ़ने लगी हैं। बुधवार को तीन फैक्ट्रियों समेत पांच से अधिक स्थानों पर खेतों में खड़ी गेहूं की फसल में आग लगने की घटनाएं सामने आईं। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इसराना क्षेत्र के गांव शाहपुर में एक किसान की खड़ी गेहूं की फसल कथित तौर पर बिजली निगम की लापरवाही के चलते जलकर राख हो गई। शाहपुर निवासी मनोज कुंडू ने एसडीएम इसराना को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने खेत ठेके पर लेकर गेहूं की फसल उगाई थी। खेत के ऊपर से 11 हजार केवी की बिजली लाइन गुजर रही है, जो परढ़ाना पावर हाउस से एक निजी कंपनी तक जाती है। किसान ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे बिजली लाइन में फाल्ट होने से चिंगारी गिरी, जिससे खेत में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और करीब एक एकड़ गेहूं के साथ भूसा भी जलकर नष्ट हो गया।घटना की सूचना डायल 112 पर दी गई, जिसके बाद पुलिस और दमकल टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। पीड़ित किसान ने आरोप लगाया कि नियमों के अनुसार फसल के समय ऐसी बिजली लाइनों को बंद किया जाना चाहिए था, लेकिन विभाग की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। उन्होंने प्रशासन से मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और नुकसान का मुआवजा दिलाने की मांग की है। जिले में दमकल कर्मियों की हड़ताल के चलते आग बुझाने के कार्य पर भी असर पड़ रहा है। मुख्य अग्निशमन कार्यालय पर पिछले आठ दिनों से 105 अस्थायी कर्मचारी हड़ताल पर बैठे हैं। ऐसे में विभाग होमगार्ड के सहारे आगजनी की घटनाओं से निपटने का प्रयास कर रहा है

लेकिन प्रशिक्षण के अभाव में उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हरियाणा अग्निशमन विभाग यूनियन के जिलाध्यक्ष रणवीर नादल ने बताया कि कर्मचारियों की मांगों को लेकर हड़ताल जारी है और जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा।

हरियाणा राज्यसभा चुनावः क्रॉस वोटिंग करने वाले 5 विधायक सस्पेंड, केंद्रीय अनुशासन समिति का बड़ा फैसला

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने के आरोपित पांच कांग्रेस विधायकों को करीब एक माह बाद गुरुवार को कांग्रेस पार्टी से निलंबित कर दिया गया। हरियाणा कांग्रेस कमेटी, राज्य अनुशासन समिति, कांग्रेस विधायक दल और कांग्रेस की राष्ट्रीय अनुशासन समिति की सिफारिशों के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इन पांचों विधायकों के निलंबन पर मुहर लगाई। हरियाणा कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने नारायणगढ़ की विधायक शैली चौधरी, सढ़ोरा की विधायक रेणु बाला, फिरोजपुर झिरका के विधायक मोहम्मद इलियास, हथीन के विधायक मोहम्मद इसराइल और रतिया के विधायक सरदार जरनैल सिंह के कांग्रेस पार्टी से निलंबन की अधिकृत सूचना दी। कांग्रेस पार्टी अब इन विधायकों की विधानसभा से सदस्यता खत्म करने के लिए स्पीकर के सामने याचिका दायर करेगी।विधानसभा में विपक्ष के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि पांचों कांग्रेस विधायकों को निलंबित कर शीर्ष नेतृत्व ने पार्टी में अनुशासन को प्राथमिकता दी है। इन पांचों कांग्रेस विधायकों पर 16 मार्च को हुए राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी कर्मवीर बौद्ध के विरुद्ध मतदान करने का आरोप है।क्रॉस वोटिंग के बावजूद कर्मवीर बौद्ध चुनाव जीत गए थे, लेकिन उनकी जीत का अंतर बहुत ही कम रहा और कांग्रेस को जीत हासिल करने में पसीने आ गए थे। उस दिन राज्य की दो सीटों पर चुनाव हुआ था। 90 सदस्यीय विधानसभा में विधायकों के संख्याबल के आधार पर एक सीट भाजपा और एक सीट कांग्रेस के हिस्से में आनी थी।

क्या है हरियाणा में सीटों का समीकरण? विधानसभा में भाजपा के 48, कांग्रेस के 37, इनेलो के दो और तीन निर्दलीय विधायक हैं। एक सीट पर भाजपा के संजय भाटिया की जीत हुई थी, जबकि दूसरी सीट पर कांग्रेस के कर्मवीर बौद्ध के सामने भाजपा ने निर्दलीय विधायकों के समर्थन से भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल को निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतार दिया था।दोनों इनेलो विधायकों ने इस चुनाव से दूरी बनाकर रखी थी। भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल से कांग्रेस उम्मीदवार कर्मवीर बौद्ध मात्र 0.34 मतों के अंतर से चुनाव जीत पाए थे। कांग्रेस के चार और भाजपा के एक विधायक की वोट रद हुई थी। यदि भाजपा की एक वोट रद नहीं होती अथवा इनेलो के दोनों विधायक राज्यसभा के चुनाव में मतदान करते तो कांग्रेस के कर्मवीर बौद्ध की हार तय थी। इनेलो ने स्पष्ट रूप से कांग्रेस के विरोध की घोषणा कर रखी थी। कांग्रेस के पांच विधायकों के निलंबन के बाद अब उन्हें न तो संगठन की बैठकों में बुलाया जाएगा और न ही पार्टी का कोई दायित्व उनके पास रहेगा। कांग्रेस के निलंबित यह पांचों विधायक इस समय पूरी तरह भाजपा के संपर्क में हैं। मोहम्मद इसराइल तो स्पष्ट रूप से कह चुके हैं कि उन्हें कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में कर्मवीर बौद्ध पसंद नहीं थे, जबकि मोहम्मद इलियास का कहना है कि जिस दिन मतदान हुआ था, उस दिन वे बीमार थे और उन्हें नहीं पता कि क्रॉस वोटिंग जैसा कुछ हुआ है। विधायक शैली चौधरी कांग्रेस के उन विधायकों में शामिल हैं, जिन्होंने सबसे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सार्वजनिक रूप से तारीफ की थी।

हरियाणा में सिंचाई विभाग के चीफ इंजीनियर सतबीर कादियान सस्पेंड, प्रशासन ने क्यों लिया एक्शन?

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग में बड़ा प्रशासनिक कदम उठाते हुए इंजीनियर-इन-चीफ (वाईडब्ल्यूएस नॉर्थ) सतबीर सिंह कादियान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। विभाग की ओर से जारी आदेश में इस कार्रवाई की पुष्टि की गई है। सरकारी आदेश के अनुसार, राज्यपाल की स्वीकृति के बाद यह निर्णय लिया गया है। निलंबन अवधि के दौरान कादियान को हरियाणा सिविल सेवा (जनरल) नियम, 2016 के तहत सब्सिस्टेंस अलाउंस दिया जाएगा और उनका मुख्यालय पंचकूला स्थित हेड ऑफिस रहेगा। पिछले कुछ समय से सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग में कार्यों के आवंटन, परियोजनाओं के क्रियान्वयन और वित्तीय प्रक्रियाओं को लेकर शिकायतें सामने आ रही थीं। विभागीय स्तर पर कुछ मामलों की प्राथमिक जांच भी चल रही थी, जिसमें कथित अनियमितताओं और प्रशासनिक लापरवाही की बात सामने आई है।बताया जा रहा है कि सरकार ने इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है, ताकि जांच प्रक्रिया पर किसी प्रकार का प्रभाव न पड़े। अधिकारियों के अनुसार, निलंबन के बाद अब संबंधित मामलों की विस्तृत जांच की जाएगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

यदि आरोप प्रमाणित होते हैं, तो कड़ी विभागीय कार्रवाई की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इस कार्रवाई को सरकार के उस सख्त रुख के तौर पर देखा जा रहा है, जिसमें विभागीय पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है। हाल के समय में सरकार विभिन्न विभागों में अनियमितताओं को लेकर सतर्क नजर आ रही है।

वन विभाग में नियमों की अनदेखी और भ्रष्टाचार के आरोप, जांच की मांग तेज

खरखौदा, वायरल सच (अजय कुमार): पर्यावरण संरक्षण समिति के सदस्य जीवन सिंह ने वन विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वन भूमि के उपयोग से लेकर पदोन्नति तक नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री व वन मंत्री से हस्तक्षेप की मांग की है। जारी प्रेस विज्ञप्ति में जीवन सिंह ने बताया कि वन संरक्षण अधिनियम 1980 के तहत वन भूमि के गैर-वानिकी उपयोग के लिए केंद्र सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से अनुमति आवश्यक है। इसके बावजूद सोनीपत वन मंडल में बड़वासनी पंचायत की भूमि, जिसे भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 38 के तहत सुरक्षित वन क्षेत्र घोषित किया गया था, पर बिना केंद्रीय स्वीकृति के मिट्टी उठाने की अनुमति दे दी गई। यह अनुमति नवंबर 2025 में उपायुक्त सोनीपत द्वारा एक निजी कंपनी को दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में असंध रेंज में एक वन दरोगा को डेढ़ लाख रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया था, जो वन संरक्षण अधिनियम से जुड़ा मामला है। जीवन सिंह के अनुसार, ऐसे कई मामले हैं जिनमें कथित तौर पर भ्रष्टाचार के जरिए वन भूमि के गैर-वानिकी उपयोग की अनुमति दी गई।

प्रेस विज्ञप्ति में यह भी कहा गया कि अधिकारियों पर राजनीतिक दबाव के चलते व्यापारिक संस्थानों, होटलों और मकानों के सामने खड़े पेड़ों को हटाने के मौखिक आदेश दिए जाते हैं, जिससे वन भूमि का अप्रत्यक्ष रूप से दुरुपयोग हो रहा है। उन्होंने कुलाना-पटौदी रोड के एक मामले का भी जिक्र किया, जिसमें भारी जुमार्ने के बाद मामला दबा दिए जाने का आरोप लगाया गया। पदोन्नति प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए जीवन सिंह ने कहा कि सेवा नियमावली के प्रावधानों की अनदेखी कर कर्मचारियों को नियमों के विपरीत पदोन्नत किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण के बिना ही उच्च पदों पर नियुक्त कर दिया गया, जबकि वरिष्ठता सूची की भी अनदेखी की गई। यहां तक कि सजा प्राप्त और आरोपित कर्मचारियों को भी सजा पूरी होने से पहले पदोन्नत किए जाने के आरोप लगाए गए हैं।

जीवन सिंह ने कहा कि कर्मचारी प्रशासनिक दबाव और कथित तानाशाही के चलते नियमों के विरुद्ध मौखिक आदेशों का पालन करने को मजबूर हैं, जो हरियाणा सिविल सेवा आचरण नियमावली 2016 के खिलाफ है। उन्होंने मुख्यमंत्री और वन मंत्री से मांग की है कि विभाग में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए, अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर रोक लगाई जाए और संगठन के प्रतिनिधियों से बातचीत कर जमीनी हकीकत को समझा जाए, ताकि प्रदेश के वन और पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

गुरुग्राम में ढाई करोड़ की सोने की ठगी, चार गिरफ्तार; बॉलीवुड एक्टर आदित्य पंचोली और सलमान खान के करीबी से भी ऐंठे रुपये

गुरुग्राम। गुरुग्राम के एक युवक से सोना सस्ते में बेचने के नाम पर ढाई करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। ठगी की घटना करीब तीन महीने पुरानी है। मामले में गुरुग्राम पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बुधवार रात चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। ये सभी मूल रूप से गुजरात के रहने वाले हैं। पूछताछ में सामने आया है कि बॉलीवुड एक्टर आदित्य पंचोली और सलमान खान के पिता सलीम के पीए से भी इस गिरोह ने ठगी की थी। ऐसे बिछाया ठगी का जाल पुलिस ने बताया कि, पीड़ित के अनुसार गिरोह के मास्टर माइंड का नाम प्रभु सोलंकी से उसकी पहली मुलाकात 13 फरवरी को हुई थी। उस वक्त पीड़ित कारोबारी पंचगांव चौक के पास ऑडी गाड़ी का टायर चेंज कर रहा था। तभी ठग ने उन्हें सोने के कुछ असली सिक्के दिखाकर बताया था कि वह जेसीबी से खोदाई का काम करता है। इसी बीच उसे रेलवे लाइन के पास खोदाई करते समय कहीं से सोने के सिक्के मिले हैं, जिन्हें वह किसी सोनार को नहीं बेच सकता है। ठग की इन्हीं बातों में आकर पीड़ित भरोसा कर बैठा। इस दौरान उसे वादा किया गया कि वह आठ से 10 करोड़ की कीमत का सोना मात्र ढाई करोड़ में बेच देगा।चार राज्यों में छह मुकदमे दर्ज

पुलिस के अनुसार, इस गिरोह के मास्टर माइंड का नाम प्रभु सोलंकी है। फिर ठग ने 2 मार्च को पीड़ित से ले लिए। फिर ठग ने उन्हें तांबा और पीतल के बने सिक्के थमा दिये। दो दिन बाद सिक्कों को जांचने पर जब उसे ठगी का अहसास हुआ था वह एक अप्रैल को पुलिस के पास मदद मांगने पहुंचा। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपित वडोदरा का रहने वाल है। वह 25 साल से आपराधिक कृत्यों को अंजाम दे रहा है। उस पर महाराष्ट्र, गुजरात, हरियाणा और राजस्थान में छह मुकदमे दर्ज हैं। प्रॉपर्टी गिरवी रख और खरा सोना तक बेच दिया पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित एक कारोबारी है। सस्ता सोना खरीदने के लिए पीड़ित ने आधा किलो सोना और अपनी मेहनत से कमाई प्रॉपर्टी गिरवी रखकर ढाई करोड़ रुपये जुटाये थे। इसके बाद शिकायत के आधार पर जांच करने पर पुलिस ने कई जगह पर छापेमारी की। अंत में कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए वह अपराधी को पकड़ने में कामयाब रही। बॉलीवुड हस्तियों को भी नहीं छोड़ा पुलिस ने चौकाने का वाला खुलासा करते हुए बताया कि ठग प्रभु सोलंकी ने कारोबारियों को ही नहीं बॉलीवुड की नामी हस्तियों को अपना शिकार बनाया है। उसने आदित्य पंचोली को ऐसा ही झांसा देकर 20 लाख का धोखा दिया था। वहीं, बॉलीवुड एक्टर सलमान खान के पिता सलीम के निजी सहयोगी को भी धोखा दिया था।

बादशाह का 'टटीरी' सॉन्ग फिर से लॉन्च, गाने से हटीं विवादित लाइनें; चार मिलियन व्यूज क्रॉस

कैथल। बॉलीबुड सिंगर-रैपर बादशाह ने विवाद के बाद हरियाणवी सांग टटीरी को दोबारा से लांच किया है। विवादित लाइनों और सीन को हटा दिया है। जिस लाइन पर ज्यादा विवाद हुआ था, उसकी जगह बादशाह ने रैप में बोला है, आया बादशाह रंग दिखाने फिर जलवा दिखाने। कुछ बुजुर्गों को हुक्के के साथ दिखाया है। रोडवेज बस के सीन को हटा दिया है, लड़कियां अब हरियावणी पहनावे दामन और कुर्ती में एक अंडर पास में नाचते हुए दिखाया है। यू ट्यूब पर इस सांग पर चार मिलियन व्यूज आ चुके हैं। टटीरी सांग में फीमेल वोकल कैथल की सिमरन जागलान हैं। सिमरन हरियाणावी सिंगर कर्मबीर फौजी की बेटी है, जिसने हरियाणवी रागनी पानी आली पानी प्यादे , गाया था।सिंगर सिमरन के पिता हरियाणवी गायक फौजी कर्मबीर ने बताया कि पहले रिलीज हुए गाने में भी बेटी सिमरन की आवाज थी और अब दोबारा जारी किए गए गाने में भी सिमरन की आवाज है। उन्होंने कहा कि पहले विवाद गाने की कुछ लाइनों को लेकर था, जिन पर लोगों ने आपत्ति जताई थी।अब सिंगर बादशाह ने उन आपत्तिजनक लाइनों में बदलाव कर दिया है, जिस लाइनों पर सबसे ज्यादा विवाद हुआ था, उसकी जगह बादशाह ने रैप में बोला है- आया बादशाह रंग दिखाने , फिर जलवा दिखाने, । सिंगर सिमरन जागलान ने स्पष्ट किया कि उनकी आवाज पहले भी उसी तरह इस्तेमाल हुई थी और अब भी वही रिकॉर्डिंग जारी की गई है। पिछले माह मार्च में हुआ था रिलीज, बादशाह के बोले गए शब्दों पर हुआ था विवाद

पिछले महीने एक मार्च को रिलीज हुए टटीरी सांग में बोले गए शब्दों और सीन को लेकर हुए विवाद पर बादशाह पर पंचकुला और जींद में तीन मामले दर्ज किए गए थे, इसके बाद यूटयूब से गाना हटा दिया था, हरियाणा महिला आयोग ने मामले में संज्ञान लिया था, 13 मार्च को हरियाण महिला आयोग की अध्यक्ष रेणू भाटिया ने सिंगर को पानीपत में अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया था, बादशाह की जगह पेश हुए वकीलों ने सिक्योरिटी रिजन और प्रोफेशनल कमिटमेंट की वहज पेश नहीं हो सके। इसके बाद चेयरपर्सन ने पंचकूला और पानीपत एसपी को बादशाह की गिरफतारी और पासपोर्ट जब्त करने के आदेश दिए थे। इसके बाद पंचकूला पुलिस की जांच में शामिल होकर अपना पक्ष रखा था, उनसे करीब एक घंटा तक पूछताछ की गई थी। इसके बाद बादशाह वीडियो बनाकर माफी मांगी थी। महिला आयोग के सामने भी माफी मांगी

विवाद बढ़ने राष्ट्रीय महिला आयोग के कहा था कि यह महिलओं के सम्मान के खिलाफ है। इस मामले में बादशाह और निर्देशक जोबन संधू, महावीर सिंह, और निमार्ता हितेन सात अप्रैल को आयोग के सामने पेश हुए। बादशाह ने माफी मांगी और वादा किया कि वे चार माह में एक अच्छा गाना बनाएंगे। जररुतमंद परिवारों की 50 लड़कियों का खर्च भी उठाएंगे। ढाई मिनट के गीत में डेढ़ मिनट सिंगर सिमरन ने दी आवाज

हरियाणवी गायक फौजी कर्मबीर ने बताया कि उनकी बेटी सिमरन सिंगर के साथ-साथ एक राष्ट्रीय स्तर की मुक्केबाज खिलाड़ी भी है और वर्तमान में रोहतक में अभ्यास कर रही है। उन्होंने कहा कि इस गीत में हरियाणवी संस्कृति की झलक है, जिसमें म्हारे रे मंडेरे पे बोली ए टटीरी, गुटीगु-गुटीगु करै ए टटीरी जैसे बोल शामिल हैं। करीब ढाई मिनट के इस गीत में लगभग डेढ़ मिनट हिस्सा सिमरन की आवाज का है। उन्होंने बताया कि जब गाने को लेकर विवाद हुआ था, तब उन्हें और उनकी बेटी को लोगों की प्रतिक्रिया से काफी ठेस पहुंची। इंटरनेट मीडिया पर कई लोगों ने अभद्र टिप्पणियां भी की, जो बिल्कुल गलत थी, जबकि इस मामले में सिमरन की कोई गलती नहीं थी।

बॉडी नहीं बनाती ओमेगा-3, शाकाहारी लोगों के लिए बहुत जरूरी हैं ये बीज

ओमेगा 3 एक जरूरी फैटी एसिड है, जिसे शरीर नहीं बना पाता है। इसलिए इसकी कमी का खतरा काफी ज्यादा होता है। जिससे बचने के लिए इन फूड्स का सेवन करना चाहिए।

शरीर को कई तरह के फैट की जरूरत होती है ताकि शरीर का काम सही चलता रहे। मगर ओमेगा-3 फैटी एसिड को बॉडी खुद नहीं बना पाती है और उसे फूड्स पर निर्भर रहना पड़ता है। वरना शरीर में इसकी भारी कमी हो सकती है।
सेल्स के फंक्शन के लिए यह न्यूट्रिएंट बहुत जरूरी होता है। शरीर में ओमेगा-3 की कमी से कई सारी दिक्कतें होने लगती हैं। जिनके बारे में न्यूट्रिशनिस्ट किरण कुकरेजा ने जानकारी दी है। एक्सपर्ट ने इसे पाने के लिए कुछ फूड्स खाने की सलाह भी दी है।

ओमेगा-3 की कमी से झेलनी होगी ये दिक्कतें

ड्राई स्किन, हेयर और आई

हेल्दी स्किन और हेयर के लिए ओमेगा-3 फैटी एसिड बहुत जरूरी है। वहीं, आंखों की नमी और रेटिना में इसका हाई कंसंट्रेशन होता है। इसलिए इसकी डेफिशिएंसी त्वचा, बाल और आंखों में रूखापन कर सकती है।

नाखून हो जाएंगे कमजोर

नाखूनों की सेल्स को जोड़े रखने के लिए भी यह फैट जरूरी होता है। इसके कम होने पर सेल्स मेंब्रेन ढीले और कमजोर होने लगते हैं। जिससे नाखून कमजोर और नाजुक हो जाते हैं।

बीमारियों का घर बनेगा दिल

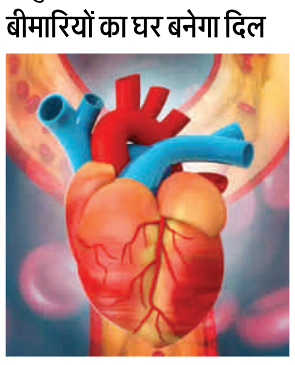

ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी से दिल बीमारियों का घर बन सकता है। क्योंकि, यह कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। जो कि नसों को सिकोड़ने और डैमेज करके दिल की बीमारियों का प्रमुख कारण बनती हैं।

शाकाहारी लोगों के लिए ओमेगा-3 फूड

शाकाहारी लोग इसे पाने के लिए अलसी के बीज, चिया सीड्स और अखरोट का सेवन कर सकते हैं। इनमें इसका प्रकार अल्फा लिनोलेनिक एसिड (एएलए) प्रचुर मात्रा में होता है। साथ में फोर्टिफाइड दूध, योगर्ट आदि का सेवन भी कर सकते हैं।

ओमेगा-3 के नॉन वेजिटेरियन फूड

मछलियों में ओमेगा-3 फैट काफी होता है। इसके लिए सैल्मन, मैक्रेल, टूना, सार्डिन आदि फैटी फिश का सेवन कर सकते हैं।

गर्मी के मौसम में मसाज के फायदे

गर्मियों का मौसम आ चुका है। इस मौसम में बाहर निकलने पर बढ़ती धूप और गर्म हवा आपको परेशान कर देती है। इसके अलावा रोज की भागदौड़ भरी दिनचर्या लोगों को थका देती है। इसके बाद शरीर पर थकान हावी हो जाती है। इसके बाद कुछ भी करने का मन नहीं करता है। यदि आपको इस मौसम में तरोताजा रहना है तो मसाज एक अच्छा उपाय हो सकता है। मसाज लेने के बाद आप एक बार फिर से तन और मन से ताजगी महसूस करने लगते हैं।

मसाज के फायदे

- मसाज से मांसपेशियो की सिकुड़ने और फैलने की क्षमता में बढोत्तरी होती है। इसके अलावा मेटाबॉलिजम का कार्य सही से होने लगता है।
- मसाज से ब्लड सर्कुलेशन सुचारु रूप से काम करता है।
- मसाज करने से नींद अच्छी आती है। जिसके चलते आंखों की रोशनी बढ़ती है। और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज करने के दौरान लंबी-लंबी सांसें लेने से शरीर के अंदर मौजूद कई विकार बाहर निकल जाते हैं। इसके बाद शरीर में स्फूर्ति आ जाती है।
- मसाज रोज करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।
- मसाज से रंग में निखार आता है और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज से मस्तिष्क में तरावट एवं मानसिक शक्ति का अनुभव होता है।
- मसाज के बाद स्किन के छिद्रों में तेल भरे रहने से जीवाणुओं शरीर के अंदर जाने का खतरा नहीं रहता है।

इनकी भी होती है मसाज

- माथे की मसाज
- गालों की मालिश
- ठुड्डी की मसाज
- गर्दन की मसाज

गर्मियों में खाएं ये चीजें चिलचिलाती गर्मी में भी शरीर रहेगा ठंडा

गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है।

भारत में गर्मियों का मौसम जारी है और कई जगहों पर पारा 40 डिग्री को भी पार कर गया है। गर्मी की वजह से घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। भाषण गर्मी में पंखा और कूलर भी साथ नहीं दे रहे हैं। अगले कुछ हफ्तों में गर्मी का सितम और बढ़ेगा और ऐसा वक्त आ जाएगा जब एसी भी काम नहीं करेगी। जाहिर है गर्मी का शरीर पर सबसे ज्यादा बुरा प्रभाव पड़ता है।
गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन की वजह से चक्कर आना, सिरदर्द, ऊर्जा की कमी, भ्रम और यहां तक कि बेहोशी जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। डाइट एक्सप्रेशन की फाउंडर और न्यूट्रिशनिस्ट पारुल के अनुसार, गर्मियों में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए सिर्फ पानी काफी नहीं है। आपके खाने में कार्ब्स, विटामिन और मिनरल वाली चीजें भी उतनी ही जरूरी हैं। कुछ चीजें हैं जिनका गर्मियों में सेवन करने से शरीर को ठंडा रखा जा सकता है और किसी भी तरह की समस्या से बचा जा सकता है।

केला और अवोकेडो

इन दोनों फलों में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है। इसके अलाव यह फाइबर के अच्छे स्रोत हैं। यह दोनों इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं। इन दोनों का शरीर पर ठंडा प्रभाव पड़ता है।

लौकी परिवार की सब्जियां

गर्मियों के दिनों शरीर को ठंडा रखने के लिए आपको लौकी परिवार की सब्जियां जैसे लौकी, कद्दू, करेला, तुरई आदि का खूब सेवन करना चाहिए। इनमें पानी की मात्रा होने के साथ सभी जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं।

साब्जा सीडस

इन छोटे-छोटे बीजों में फाइबर और प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है। इसके अलावा यह ओमेगा-3 फैटी एसिड, पोटैशियम, विटामिन सी आदि का भी भंडार है। यह तत्व गर्मी को कम करते हैं और पेट को ठंडा रखते हैं।

खट्टे फल

जूस वाले खट्टे फल जैसे संतरे, नींबू, कीनू और मौसंबी आदि में जरूरी पोषक तव जैसे विटामिन ए, बी और सी पाया जाता है। यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं।

दही

घर की बनी दही पोषक तत्वों का खजाना है और यह पेट के लिए एक नैचुरल प्रोबायोटिक है, जो शरीर को ठंडा रख सकती है। आप खाने में दही या इसका रायता बनाकर इस्तेमाल करें।

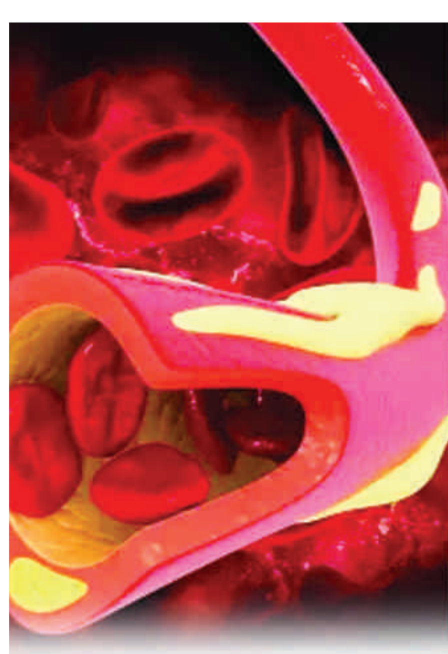

आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण हैं। कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं।

खून की नसों में चिपके जिद्दी कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकाल देंगे गर्मियों के ये 5 फल

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना आजकल की एक गंभीर और आम समस्या बन गई है। आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण हैं। यह कोई आम समस्या नहीं है और इससे दिल से जुड़े रोगों, स्ट्रोक यानी दिमाग का दौरा और हार्ट अटैक जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों का खतरा है। कोलेस्ट्रॉल शरीर की हर कोशिका में पाया जाता है। यह शरीर के लिए जरूरी भी है लेकिन वो अच्छा कोलेस्ट्रॉल होता है। अच्छा कोलेस्ट्रॉल खाद्य पदार्थों का पाचन, हार्मोन का उत्पादन और अन्य कई काम करता है। यह सभी कचरे और विषाक्त पदार्थों को वापस लीवर में पहुंचाता है। लेकिन एक खराब कोलेस्ट्रॉल भी है, जो धमनियों की दीवारों पर पट्टिका की एक परत बनाता है, जिससे रक्त का प्रवाह मुश्किल हो जाता है, जो आगे चलकर हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज और स्ट्रोक का कारण बन सकता है।
कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं। चूंकि गर्मियों का मौसम जारी है, तो ऐसे में आपको इन सस्ते फलों का खून सेवन करना चाहिए जिससे शरीर से यह गंदा पदार्थ बाहर निकल सके और आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बना रहे।

पपीता

फाइबर से भरपूर पपीता हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। यह खराब कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी कंट्रोल करता है। फाइबर पाचन को बेहतर बनाने में सहायक है और यह आंतों की भी सफाई करता है।

अंगूर

एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, अंगूर फाइबर का एक बेहतर स्रोत है। इस तरह अंगूर का नियमित सेवन कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। अंगूर वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है, जिसे हृदय रोगों के पीछे एक और कारण बताया जाता है।

खट्टे फल

गर्मियों में सभी तरह के खट्टे फल खाना दिल से जुड़ी बीमारियों को दूर करने में फायदेमंद साबित हो सकते हैं। आप अपने खाने में नींबू और संतरे जैसे खट्टे फल शामिल कर सकते हैं क्योंकि यह विटामिन सी से भरे होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को भी बढ़ाते हैं।

सेब

सेब एक ऐसा फल है, जो सिर्फ कोलेस्ट्रॉल ही नहीं बल्कि शरीर में जमा अन्य गंदे पदार्थों को भी कम कर सकता है. सभी हृदय रोगियों को अपने खाने में सेब को शामिल करना चाहिए क्योंकि यह कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। सेब में फाइबर पेक्टिन की मौजूदगी कोलेस्ट्रॉल लाल को कम करने में मदद करती है।

स्ट्रॉबेरी

एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, मानव शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने के लिए स्ट्रॉबेरी एक बेहतर फ्रूट है। यह एंटीऑक्सिडेंट का बेहतर स्रोत है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा यह विटामिन का भंडार है और इसमें कैलोरी बहुत कम होती है।

स्वाद के साथ सेहत की खान है आम

स्वाद के साथ फायदों की खान है आम। जी हां, आम को फलों का राजा माना जाता है। गर्मियां तो बिना आम के सेवन अधूरी है। आप कोई भी फल खा लें लेकिन आम को अपनी फ्रूट बास्केट में शामिल करना न भूलें। स्वाद के साथ आम खाने के कई फायदे हैं।

कैंसर से बचाव

आम में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट कोलोन कैंसर, ल्यूकेमिया और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव में फायदेमंद है। इसमें क्यूर्सेटिन, एस्ट्रागालिन और फिसेटिन जैसे ऐसे कई तत्व होते हैं जो कैंसर से बचाव करने में मददगार होते हैं।

कोलेस्ट्रॉल नियमित रखने में

आम में फाइबर और विटामिन सी खूब होता है। इससे बैड कोलेस्ट्रॉल संतुलन बनाने में मदद मिलती है।

पाचन क्रिया को ठीक रखने में

आम में ऐसे कई एंजाइम्स होते हैं जो प्रोटीन को तोड़ने का काम करते हैं। इससे भोजन जल्दी पच जाता है। साथ ही इसमें उपस्थित साइर्टिक एसिड, टरटैरिक एसिड शरीर के भीतर क्षारीय तत्वों को संतुलित बनाए रखता है।

स्मरण शक्ति में मददगार

जिन लोगों को भूलने की बीमारी हो उन्हें आम का सेवन करना चाहिए। इसमें पाया जाने वाला ग्लूटामिन एसिड नामक एक तत्व स्मरण शक्ति को बढ़ाने में उत्प्रेरक की तरह काम करता है। साथ ही इससे रक्त कोशिकाएं भी सक्रिय होती हैं। इसीलिए गर्भवती महिलाओं को आम खाने की सलाह दी जाती है।

त्वचा के लिए है फायदेमंद

आम के गुदे का पैक लगाने या फिर उसे चेहरे पर मलने से चेहरे पर निखार आता है और विटामिन सी संक्रमण से भी बचाव करता है।

मोटापा कम करने में

मोटापा कम करने के लिए भी आम एक अच्छा उपाय है। आम की गुठली में मौजूद रेशे शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में बहुत फायदेमंद होते हैं। आम खाने के बाद भूख कम लगती है, जिससे ओवर ईटिंग का खतरा कम हो जाता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में

आम खाने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है।

बच्चों को सिखाएं हेल्दी फूड हैबिट

बच्चों के बड़े होने पर उन्हें पोषण देने के लिए जरूरी है कि बचपन से ही उन्हें अच्छा पोषण दिया जाए। लेकिन उसके लिए सही शुरुआत करें और स्वस्थ खाना सिखाएं। बच्चे इन स्वस्थ आदतों को खुद अनुभव करके और दूसरों को देखकर सीखते हैं। बच्चों को अच्छी खाने की आदतें सिखाना शुरू करना कभी भी जल्दी नहीं होता है। इसके लिए आप नीचे दिए टिप्स भी अपना सकते हैं जिससे बच्चे सही समय पर स्वस्थ खाना सीखें जो उन्हें बड़े होने तक फायदा पहुंचाएगा।

सभी साथ बैठकर खाएं

एक परिवार के रूप में एक साथ खाना खानाज जरूरी है। बच्चों को सिखाएं कि सभी साथ बैठें। इससे बच्चों के सामने आप हर तरह की सब्जियां खाकर दिखाएंगे तो वो भी आपसे सीखेंगे। साथ ही उन्हें लोगों के सामने व्यवहार करना भी आएगा। इससे एक फायदा होगा कि बच्चा खाना खाते समय फोन या टीवी भी नहीं देखेगा।

बच्चों को चुनने दें

जरूरी नहीं जो हम खा रहे हों वो सभी चीजें बच्चे खाएं। बच्चों के लिए अलग से खाना न बनाएं लेकिन जो आप बना रहे हैं या बड़े खा रहे हैं वो सभी चीज बच्चों को जबरदस्ती न खिलाएं। बच्चों को खुद चुनने दें कि वो इन सबमें से क्या खाना चाहते हैं।

अपनी कोशिश जारी रखें

बच्चों को हेल्दी फूड हैबिट सिखाने में समय लग सकता है। ऐसे में अपनी कोशिश न छोड़ें। शुरुआत में बच्चे नखरे करेंगे लेकिन आपकी कोशिश जारी रही तो बच्चों की आदत भी बदलेगी। कभी-कभी बच्चों को यह चुनने दें कि खाने में क्या सब्जी बननी चाहिए। साथ ही उन्हें उसे बनाने में मदद के लिए कहें।

लालच देकर न खिलाएं

बच्चों को लालच देकर खाना खत्म करने को न कहें। बच्चों को डेजर्ट के लालच में खाना खाने को न कहें। कई माता-पिता इस बात पर जोर देते हैं कि अगर बच्चे पूरा खाना खाएंगे तो उन्हें मिठाई मिलेगी। ऐसा न करें। उन्हें भूख के अनुसार खाना सिखाएं।

नरम एहसास और प्यार से सजी है साई पल्लवी-जुनैद खान स्टारर 'एक दिन' की कहानी, ट्रेलर हुआ रिलीज़ !

'एक दिन' का ट्रेलर आउट-साई पल्लवी और जुनैद खान की मैजिकल लव स्टोरी ने जगाई प्यार की उम्मीद!

आमिर खान प्रोडक्शंस की आने वाली फिल्म 'एक दिन', जिसमें साई पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में हैं, एक प्यारी और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी का वादा करती है। वाकई यह एक ऐसी फिल्म है जिसका हर कोई बेसब्री से इंतज़ार कर रहा है। अपने रूहानी गानों के साथ एक शानदार माहौल बनाने के बाद, अब मेकर्स ने इसका एक दिलचस्प ट्रेलर रिलीज़ कर दिया है, जो उम्मीद और जादू से भरी एक प्रेम कहानी को बेहद खूबसूरती से पेश करता है। 'एक दिन' का ट्रेलर आखिरकार आ गया है, और यह एक जादुई प्रेम कहानी से रूबरू कराता है। जुनैद खान ने एक शर्मीले और थोड़े अलग लड़के का किरदार निभाया है, जिसे साई पल्लवी से प्यार हो जाता है, जो एक खुशमिजाज और जिंदादिल लड़की है। वैसे तो वे दोनों एक ही ऑफिस में काम करते हैं, लेकिन जुनैद उससे बात करने की हिम्मत नहीं जुटा पाते। हालांकि, कहानी में ट्विस्ट तब आता है जब जापान में साई का एक्सीडेंट हो जाता है और वह 'ट्रांजिएंट ग्लोबल एमनेशिया' (TGA) की शिकार हो जाती है, जिसमें उसे सिर्फ जुनैद याद रहता है, जिसने उसकी जान बचाई थी। जहाँ यह मोड़ पूरी कहानी का रुख बदल देता है, वहीं यह देखना वाकई रोमांचक होगा कि यह प्रेम कहानी कैसे आगे बढ़ती है और क्या मोड़ लेती है।

ट्रेलर रिलीज होने के साथ ही यह साफ हो गया है कि एक शालीन, कोमल और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी आने वाली है। यह कहानी प्यार में यकीन रखने, उम्मीद को थामे रहने और जादू के होने का इंतज़ार करने के बारे में है। निश्चित रूप से, यह एक दुर्लभ कहानी है जो लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है। 'एक दिन' के जरिए आमिर खान और फिल्म मेकर मंसूर खान एक लंबे अरसे के बाद फिर साथ आए हैं, जिससे हिंदी सिनेमा की सबसे पसंदीदा क्रिएटिव जोड़ियों में से एक फिर से जिंदा हो गई है। साथ मिलकर उन्होंने दर्शकों को 'कयामत से कयामत तक', 'जो जीता वही सिकंदर', 'अकेले हम अकेले तुम' और 'जाने तू... या जाने ना' जैसी यादगार फिल्में दी हैं। 'एक दिन' के साथ यह जोड़ी एक बार फिर रोमांस जॉनर में लौट रही है, जिससे फैंस के बीच नया उत्साह पैदा हो गया है। उनके फिर से साथ आने ने उत्सुकता बढ़ा दी है, और दर्शक उस जादू को पर्दे पर दोबारा देखने के लिए बेताब हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म 'एक दिन' में साई पल्लवी और जुनैद खान मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है और इसे आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

90 के दशक में मैगजीन मुझे और जेबा बख्तियार को एक-दूसरे के खिलाफ बताते थे प्रतिद्वंद्वी

आज के दौर में जहां सोशल मीडिया के जरिए फैंस सीधे अपने पसंदीदा सितारों से जुड़ जाते हैं, वहीं एक समय ऐसा भी था जब फिल्मी दुनिया की खबरें सिर्फ मैगजीन और अखबारों के जरिए ही लोगों तक पहुंचती थीं। उस दौर में जो छपता था, वही सच माना जाता था। 90 के दशक का बॉलीवुड इसी तरह के किस्सों से भरा हुआ है, जब सितारों के बीच की दोस्ती और रिश्तों को अक्सर अलग रंग देकर पेश किया जाता था। अब उसी दौर को याद करते हुए अभिनेत्री सोमी अली ने एक पुराना किस्सा साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें और जेबा बख्तियार को लेकर मैगजीन ने गलत छवि बनाई थी। सोमी अली ने अपने सोशल मीडिया पर एक थ्रोबैक पोस्ट शेयर करते हुए 90 के दशक की मीडिया कल्चर पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''उस समय सोशल मीडिया जैसी कोई चीज नहीं थी, जिससे लोग सेलिब्रिटीज की असली जिंदगी को समझ सकें। इस वजह से मैगजीन और टैब्लॉइड्स को खुली छूट मिल जाती थी और वे अपनी मर्जी से कहानियां बनाकर छापते थे। उस दौर में दर्शकों के पास कोई दूसरा जरिया नहीं होता था, जिससे वे सच्चाई जान सकें।''

अपनी पोस्ट में सोमी अली ने साल 1993 की एक खास मुलाकात का जिक्र किया, जब उनकी पहली बार जेबा बख्तियार से मुलाकात हुई थी। उन्होंने बताया, ''हम दोनों ही पाकिस्तान में जन्मी थीं लेकिन मेरा पालन-पोषण अमेरिका में हुआ था। इस समानता को आधार बनाकर उस समय की मैगजीन ने हम दोनों के बीच प्रतिस्पर्धा और टकराव की कहानी गढ़ने की कोशिश की, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल अलग थी।'' उन्होंने कहा, 'मैगजीन की यह कोशिश कभी सफल नहीं हो पाई। असल जिंदगी में मेरे और जेबा बख्तियार के बीच कोई राइवलरी नहीं थी बल्कि हमारे बीच सम्मान और समझ का रिश्ता था। मैं आज भी उस पहली मुलाकात को अच्छे अनुभव के तौर पर याद करती हूं और मेरे मन में जेबा के लिए काफी इज्जत है।'

सोमी अली ने जेबा बख्तियार की तारीफ करते हुए कहा, ''वह बेहद खूबसूरत और अच्छी इंसान हैं। वह हमेशा खुश रहें और उन्हें जिंदगी में हर खुशी मिले।''

अगर जेबा बख्तियार की बात करें तो उन्होंने साल 1991 में रिलीज हुई फिल्म 'हिना' से पहचान हासिल की थी। इस फिल्म में उनके साथ ऋषि कपूर और अश्विनी भावे नजर आए थे। फिल्म का निर्देशन रणदीर कपूर ने किया था। भारत-पाकिस्तान की पृष्ठभूमि पर बनी इस प्रेम कहानी को दर्शकों ने काफी पसंद किया।

रणवीर की वजह से मैं इंडस्ट्री में हूं

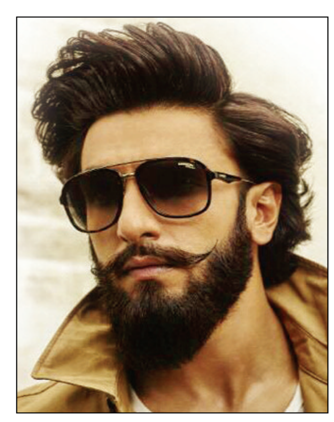

फिल्म 'धुरंधर 2' की सफलता के बाद से ही रणवीर सिंह 'टॉक ऑफ द टाउन' बन गए हैं। मूवी में दमदार एक्टिंग के लिए उनकी जमकर तारीफ हो रही है। इस बीच एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने भी उनको लेकर बड़ा बयान दिया है, जो अब चर्चाओं में है।

उन्होंने रणवीर की तारीफ करते हुए कहा, 'मेरा दिल बहुत खुश है। वो मेरे लिए लकी चार्म हैं। इसी वजह से मैं इस इंडस्ट्री में हूं। मैंने उनके साथ एक हेयर ब्रांड के लिए ऐड किया था, और जब वो ऐड टीवी पर आया... तभी फिल्ममेकर्स ने मुझे नोटिस करना शुरू किया। मैं इसका पूरा क्रेडिट उन्हें देती हूं। उन्होंने सच में मेरी बहुत मदद की है। वो बहुत पॉजिटिव इंसान हैं और उन्हें हर सफलता मिलनी चाहिए।'

उन्होंने 'धुरंधर 2' में भी रणवीर की परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए कहा, 'उनकी एक्टिंग सिर्फ ऊपर-ऊपर की नहीं थी, उसमें गहराई और कई परतें थीं। मैंने उन्हें रणवीर सिंह के रूप में नहीं देखा, सिर्फ 'हमजा' के किरदार में देखा। वो हीरो से ज्यादा एक किरदार लगे। मुझे उन पर बहुत गर्व है क्योंकि वो बहुत मेहनती हैं। मैं दुआ करती हूं कि वो जो भी करें, वो ब्लॉकबस्टर हो। वो सब कुछ कर सकते हैं।' बता दें कि मृणाल आने वाले दिनों में डकैत फिल्म में नजर आ रही हैं।

'गिन्नी वेड्स सनी 2' परिवारों को वापस सिनेमाघरों में लेकर आएगी

बॉलीवुड एक्टर अविनाश तिवारी और मेधा शंकर अपनी आगामी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में शादी के माहौल में खूब धूम मचाने वाले हैं। इस रोमांटिक कॉमेडी का ट्रेलर गुरुवार को रिलीज किया गया, जिसमें रिश्तों से जुड़े भावनात्मक विषयों के साथ एक उतार-चढ़ाव भरी प्रेम कहानी दिखाई गई है। फिल्म दर्शकों को पारिवारिक माहौल में ले जाएगी, जहां परिवार, शादी, गलतफहमियों, हंसी-मजाक और चौंकाने वाले ट्विस्ट दर्शकों को हैरान कर देंगे।

वरुण धवन के साथ शेयर करेंगे स्क्रीन राकेश बेदी

धुरंधर-2 की सक्सेस के बाद फिल्म में राजनेता 'जमील जमाली' का किरदार निभाने वाले राकेश बेदी ने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेता ने अपने किरदार को लेकर की गई तैयारी पर बात की और यह भी साफ किया कि 'धुरंधर-3' नहीं आने वाली है।

धुरंधर-2 की सक्सेस पर बात करते हुए अभिनेता राकेश बेदी ने कहा, 'फिल्म ब्लॉकबस्टर हिट रही है और कमाई भी अच्छी कर रही है, लेकिन फिल्म का कॉन्सेप्ट और निर्देशन आदित्य धर का है। हमने तो कलाकार के तौर पर काम किया, जो काम हमें करने के लिए कहा गया, लेकिन असल मेहनत आदित्य धर की है।'

फिल्म धुरंधर-2 में 'जमील जमाली' के किरदार के लिए अभिनेता ने बहुत मेहनत की। उन्होंने बताया कि हर किरदार के लिए मेहनत करनी पड़ती है। जैसे हम विराट कोहली को छक्का मारते देखते हैं तो देखने में कितना आसान लगता है, लेकिन असल में ऐसा होता नहीं है। ऐसे ही हर किरदार को निभाने से पहले बहुत कुछ करना होता है। वहीं फिल्म में रणवीर सिंह को असली धुरंधर बताते हुए अभिनेता ने कहा, 'जिस तरीके से किरदार की मांग थी, सभी किरदारों ने वैसा ही रोल प्ले किया। मेरा किरदार रणवीर सिंह को बचाने का था क्योंकि अगर कोई स्पाई दूसरे देश में जा रहा है, तो कोई तो सपोर्ट करने वाला और बचाने वाला होना चाहिए।'

अपने शुरुआती करियर पर बात करते हुए राकेश बेदी ने कहा, 'मेरे पिताजी चाहते थे कि मैं आईआईटी करूं, और मैं एंट्रेंस एग्जाम भी देने पहुंचा था, लेकिन मुझे 35 सवालों में से सिर्फ सवाल नंबर 7 का उत्तर पता था। फिर लगा कि मैं यहां के लिए नहीं बना हूं, और मेरे पिता ने भी किसी तरह का जोर नहीं डाला। यही कारण है कि मैं आईआईटी को छोड़कर अभिनेता बना। मैं अपने बच्चों के साथ भी यही करता हूं, उन्हें जो करना है, वही करने की आजादी देता हूं।'

कॉमेडी से धुरंधर-2 में 'जमील जमाली' के निगेटिव को निभाने के सवाल पर अभिनेता ने कहा, 'आदित्य धर को लगा कि मैं यह किरदार कर सकता हूं, तो मुझे चुना गया। मैं वैसा विलेन नहीं बना, जैसी छवि भारतीय सिनेमा में रही है, टेढ़ी आंखें वाले, एक्शन करते हुए, लेकिन मुझे चालाक और 'मेरा बच्चा है तू' वाला विलेन बनाया गया।

अपने आगामी प्रोजेक्ट्स पर बात करते हुए अभिनेता ने बताया कि वो दो नए प्रोजेक्ट्स में दिखने वाले हैं। अभिनेता वरुण धवन की अपकमिंग फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' और प्राइम वीडियो पर आने वाली सीरीज 'राख' में दिखने वाले हैं। दोनों की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है और जल्द ही रिलीज की अनाउंसमेंट की जाएगी।

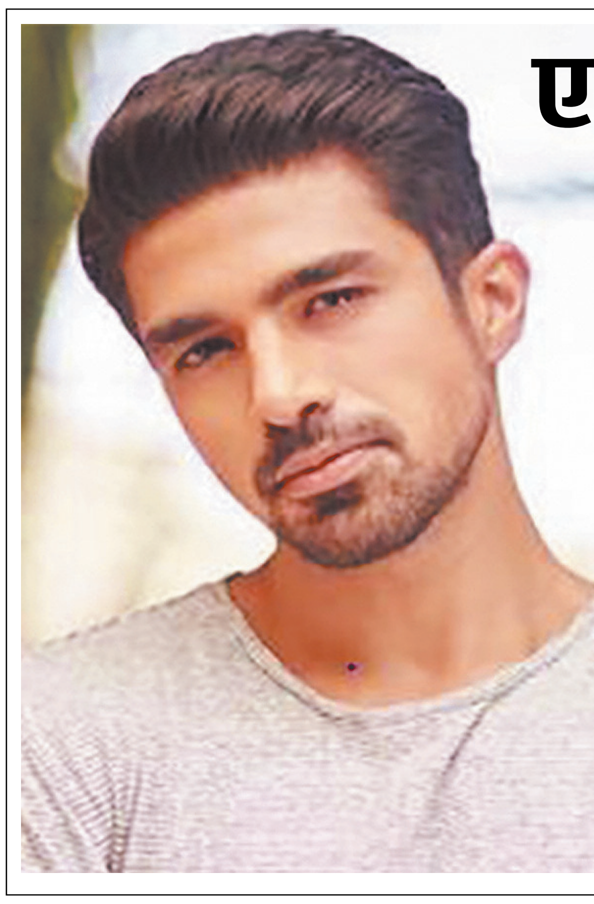

एक्शन दिखने में जितना मजेदार लगता है, उतना ही मुश्किल भी होता है?

वेब सीरीज 'कप्तान' में अभिनेता साकिब सलीम एक बार फिर उसी देसी, रॉ और दबंग अंदाज में नजर आ रहे हैं, जिसे ऑडियंस पहले भी पसंद कर चुकी हैं। इस सीरीज में उनके साथ सिद्धार्थ निगम और अंजुम शर्मा भी हैं। हाल ही में बातचीत के दौरान साकिब ने अपने किरदार, शो के एक्शन, सिद्धार्थ निगम के साथ सेट पर हुई मस्ती, प्रोड्यूसर के तौर पर आने वाली मुश्किलों और अपने करियर की भूख पर खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में किस तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है?

'कप्तान' करते हुए लगा कि चलो फिर से अपने टाइप का रोल मिला?

हां, बिल्कुल... काफी लंबे समय बाद मुझे फिर ऐसा किरदार मिला। 'रंगबाज' के बाद मुझे बहुत प्यार मिला था। उसके बाद लोगों के लगातार मैसेज आते थे कि सर, वैसा कुछ और करिए, कुछ हार्टलैंड वाला काम करिए। मैं भी जिससे मिलता था, पूछता था कि यार, कुछ है क्या ऐसा? इस शो में मुझे एकदम रॉ, करप्ट और हार्टलैंड की कहानी मिली। ऐसा किरदार मिला जिसमें भरपूर स्वैग था। मुझे इसमें बहुत मजा आया। धीरे धीरे चलने में, एक्शन करने में। हम लड़कों को एक्शन करने में बहुत मजा आता है। इस शो में तो भर भरकर एक्शन है। एक पूरे एपिसोड में तो सिद्धार्थ बस बैकफ्लिप ही मार रहा था। मैं और अंजुम एक दिन सेट पर बैठे थे। उसका एक्शन सीन चल रहा था। वह बार बार बैकफ्लिप मार रहा था, दीवार पर चढ़ रहा था, कूद रहा था। मैं और अंजुम एक दूसरे की तरफ देखकर यही सोच रहे थे कि हमसे ये सब नहीं हो पाएगा, हम तो बस गोली चलाएंगे।

एक्शन दिखने में जितना मजेदार लगता है, क्या उतना ही मुश्किल भी होता है?

बिलकुल। देखने में तो बड़ा मजा आता है, लेकिन करने में पसीना छूट जाता है। चोट भी लगती है, ये तो तय है। मुझे भी लगी थी, सिद्धार्थ को भी। लेकिन बात ये है कि सिद्धार्थ को देखकर लगता था, अगर कोई शेर के पिंजरे में घुस जाएगा, तो लगेगी ही न। एक होता है नॉर्मल एक्शन, जो हम लोग करते हैं। बंदूक चलाई, मुक्केबाजी की। लेकिन जो वह कर रहा था, वह अलग ही स्तर का था। यहां से कूदना, वहां से छलांग लगाना, ये सब हम नहीं करने वाले। हमारा एक्शन थोड़ा जमीन पर रहता है। गाड़ी से कूद जाओ, थोड़ा भाग लो, लड़ लो, वह ठीक है।

सेट पर सिद्धार्थ निगम की सबसे ज्यादा खिंचाई किस बात पर हुई?

एक दिन शूट के दौरान बड़ा मजेदार किस्सा हुआ। सिद्धार्थ की शर्ट में ऐसे बटन लगे थे जो हल्के से खिंचने पर खुल जाते थे। उसने दीवार से बैकफ्लिप मारी। और जैसे ही नीचे उतरा, उसकी शर्ट खुल गई। बस फिर क्या था, हमने वहीं मजाक शुरू कर दिया। मैंने कहा, ये बटन ऐसे थे ही क्यों? नॉर्मल बटन नहीं लगा सकते थे क्या? फिर उसे छेड़ने लगे कि तुमने पहले से सोच रखा था क्या कि एक बैकफ्लिप मारूंगा, बटन खुलेंगे और बॉडी दिखाऊंगा। काम जितना होता था, मजाक भी उतना ही चलता था।

अब आप अभिनेता के साथ-साथ प्रोड्यूसर भी हैं। आज के समय में प्रोड्यूसर होना कितना मुश्किल है?

बहुत मुश्किल है। उदाहरण के तौर पर, अमेरिका में एक यूट्यूबर ने फिल्म बनाई। उसने अपनी पूरी कम्युनिटी बनाई। लोगों को फिल्म बनने का पूरा सफर दिखाया। फिर उनसे कहा कि अगर आप ये फिल्म देखना चाहते हैं, तो डिस्ट्रीब्यूटर्स को लिखिए। लाखों लोगों ने ऐसा किया। फिल्म ने बहुत अच्छा कारोबार किया। ये उदाहरण मुझे प्रेरित करता है।

आज इंडस्ट्री में सबसे बड़ी उलझन क्या लगती है?

बहुत सारी चुनौतियां हैं। प्लेटफॉर्म की अपनी चुनौतियां हैं। अब थिएटर और ओटीटी के बीच बड़ी लड़ाई चल रही है। जब मैं आया था, तब मुझे सिर्फ थिएटर वाली फिल्में करनी थीं। अब बहुत कुछ बदल गया है। पहले एक ही रास्ता था। फिल्म बनाओ और थिएटर में रिलीज करो। अब इतने विकल्प आ गए हैं कि स्पष्टता थोड़ी कम हो गई है। कई बार लगता है कि आप प्रोड्यूसर कम और लाइन प्रोड्यूसर ज्यादा बन जाते हैं। क्योंकि कई बार चीजें इस तरह बनने लगती हैं कि चलो, ये बन रहा है तो बना लेते हैं। जबकि फिल्म इसलिए बननी चाहिए क्योंकि आप उसे बनाना चाहते हैं। मेरे हिसाब से वही असली बात है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।